(An India Newspaper)

ELARIS CONSULTING
Beyond The Visible

यूथ ऑरा
YOUTH AURA
इनोवेशन.ट्रांसफॉर्मेशन.ऑटोमेशन

(Sponsored by)
SPY eye SOLUTIONS
TRANSFORMATION AUTOMATION INNOVATION

वर्ष:01 | अंक : 16 | मंगलवार, 25 नवम्बर-1 दिसंबर 2025 | हिन्दी साप्ताहिक | मुल्य 02 रुपये | मुख्य सम्पादकः लव जैन | RNI. NO.: HRBIL/25/A1127 | पृष्ठः 8

■ यूपी में अवैध घुसपैठियों के लिए बनेंगे

अस्थायी डिटेंशन सेंटर

■ सीएम योगी का निर्देशः सख्त कार्रवाई करें

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को अवैध घुसपैठ पर त्वरित और सख्त कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समरसता सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला प्रशासन अपने क्षेत्र में रहने वाले अवैध घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित करे और नियमानुसार कार्रवाई शुरू करे। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि घुसपैठियों को रखने के लिए प्रत्येक जनपद में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए जाएं। इन केंद्रों में विदेशी नागरिकता के अवैध व्यक्तियों को रखा जाएगा और आवश्यक सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने तक वहीं आवास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि डिटेंशन सेंटर में रखे गए अवैध घुसपैठियों को तय प्रक्रिया के तहत उनके मूल देश भेजा जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में 'ग्रेप' और सख्त

ट्रैफिक जाम होगा खत्म, बसें-मेट्रो के बढ़ेंगे फेरे, ये नियम बदले

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की जहरीली हवा से लोगों को राहत दिलाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक अहम फैसला लिया है। आयोग ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) को और सख्त बना दिया है। सीएक्यूएम की ओर से 21 नवंबर को जारी नए नियमों के तहत अब हवा की गुणवत्ता 'खराब' होने पर ही ट्रैफिक को सुचारू बनाने, बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने और सार्वजनिक परिवहन बढ़ाने जैसे कदम उठाए जाएंगे। पहले ये कदम """"बहुत खराब"""" हवा में ही लगाए जाते थे। इससे प्रदूषण को जल्दी काबू करने में मदद मिलेगी। सीएक्यूएम ने 20 नवंबर को स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद ये बदलाव किए हैं। इसका मकसद वैज्ञानिक डेटा, विशेषज्ञ सलाह और पिछले साल के अनुभवों से सीख लेकर हवा को और बिगड़ने से रोकना है। सीएक्यूएम ने सभी एजेंसियों को तुरंत इन नियमों को लागू करने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष का कहना है कि ये बदलाव हवा की गुणवत्ता को बिगड़ने से पहले रोकने के लिए हैं। मौसम की भविष्यवाणी के साथ मिलकर वह जल्दी एक्शन लेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ये कदम सर्दियों में स्मॉग की समस्या को कम करेंगे, खासकर जब एक्यूआई तेजी से बढ़ता है। ऐसे में ग्रेप के नियमों में मुख्य बदलाव किए गए हैं। ग्रेप 1 (पहले ये कदम स्टेज 2 में थे, अब स्टेज 1 में शिफ्ट हो गए) -बिजली की बिना रुकावट सप्लाई दें, ताकि डीजल जेनरेटर (डीजी सेट) का इस्तेमाल न हो। -ट्रैफिक सिग्नल पर कर्मचारियों की तैनाती बढ़ाकर जाम कम करें। -अखबार, टीवी और रेडियो पर अलर्ट दें, प्रदूषण के स्तर बताएं और लोगों को """"करें-न करें"""" की सलाह दें। -सीएनजी/इलेक्ट्रिक बसें और मेट्रो की संख्या बढ़ाएं, फेरे तेज करें। ऑफ-पीक घंटों में सस्ते रेट लगाकर यात्रा बढ़ावा दें। -दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर में सरकारी और म्यूनिसिपल ऑफिसों के समय अलग-अलग करें। -बाकी एनसीआर इलाकों में राज्य सरकारें फैसला लें। -केंद्र सरकार दिल्ली-एनसीआर के अपने ऑफिसों के समय पर विचार करे। -एनसीआर सरकारें/दिल्ली सरकार सार्वजनिक, म्यूनिसिपल और प्राइवेट ऑफिसों में 50 फीसदी स्टाफ को काम पर बुलाएं, बाकी वर्क फ्रॉम होम करें। -केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम पर फैसला ले।

■ दिल्ली सरकार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन्स को

10 हजार इलेक्ट्रिक हीटर बांटेगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (RWA) को 10,000 से अधिक इलेक्ट्रिक हीटर बांटेगी। ये हीटर चौकीदारों को दिए जाएंगे ताकि वे सर्दियों के दौरान ठंड से बचने के लिए लकड़ी और कोयला न जलाएं। यह पहल दिल्ली की हवा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के प्रयासों के तहत की जा रही है। उट रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सभी को कोशिश करना होगी। खुले में लकड़ी कोयला जलाने से हवा खराब होती है। इलेक्ट्रिक हीटर एक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प है। सरकार का मानना है कि यह छोटा सा कदम भी दिल्ली में प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

जी20 समिट में मेलोनी से मिले मोदी : ब्राजीली राष्ट्रपति को गले लगाया

बोले : जी20 का पुराना डेवलपमेंट मॉडल बदलना जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली/ केप टाउन। पीएम मोदी ने जोहान्सबर्ग में शनिवार को जी 20 समिट में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दुनियाभर के नेताओं से मुलाकात की। दौरान ब्राजीली राष्ट्रपति लूला डि सिल्वा को उन्होंने गले लगा लिया। इसके बाद मोदी ने समिट के पहले सेशन में भाषण दिया। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने वैश्विक विकास के पुराने मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- G20 ने भले ही दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दी हो, लेकिन आज की विकास मॉडल ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अत्यधिक दोहन को बढ़ावा दिया है। अफ्रीकी देशों पर इसका असर सबसे ज्यादा दिखता है। साउथ अफ्रीका में हो रही इस साल की G20 समिट भारत के

लिए इसलिए खास है क्योंकि 2023 में अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत ने अफ्रीकन यूनियन को G20 का सदस्य बनवाया था। अब पहली बार अफ्रीका में समिट हो रही है। इसके चलते सभी अफ्रीकी देशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। शुक्रवार को पीएम मोदी के साथ अफ्रीका पहुंचने पर स्थानीय कलाकारों ने उनके सम्मान में जमीन पर लेटकर स्वागत किया। ट्रम्प, पुतिन और जिनपिंग की गैरमौजूदगी में भारत समिट का सबसे प्रमुख चेहरा बन गया है। पीएम मोदी समिट के तीनों अहम सत्रों में आर्थिक विकास, क्लाइमेट रेजिलियंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे मुद्दों पर भारत का पक्ष रखेंगे। भारत की ग्लोबल साउथ लीडरशिप और विकासशील देशों की आवाज को मजबूती से पेश करने के लिए यह समिट बड़ा मंच साबित होगी। 1.वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार : इसका मकसद दुनिया के लोक ज्ञान, पारंपरिक चिकित्सा और सामुदायिक प्रथाओं को एक साथ लाना है। 2. G20-अफ्रीका स्किल इनिशिएटिवः अफ्रीकी युवाओं के लिए कौशल विकास, ट्रेनिंग और रोजगार के नए अवसर बढ़ाने की योजना। 3. ड्रग-टेरर नेक्सस के खिलाफ G20 इनिशिएटिवः प्रधानमंत्री ने इसे अहम बताते हुए कहा कि ड्रग तस्करी, अवैध पैसों का नेटवर्क और आतंकवाद की फंडिंग आपस में जुड़े हैं। यह पहल इन्हें रोकने के लिए सदस्य देशों के वित्तीय, सुरक्षा और शासन तंत्र को एकजुट करेगी।मोदी के मुताबिक, इस फ्रेमवर्क से ड्रग नेटवर्क पर सख्त चोट की जा सकेगी और आतंकवाद की फंडिंग भी कमजोर होगी। अफ्रीका में चल रहे G20 समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि दुनिया पुराने विकास मॉडल पर दोबारा सोचे।

शशि थरूर बोले : चुनाव बाद पार्टियां एक साथ आएं

■ ट्रम्प-ममदानी के साथ आने की तारीफ की

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प की न्यूयॉर्क के नए मेयर जोहरान ममदानी के साथ व्हाइट हाउस में हुई मीटिंग की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान एक-दूसरे पर तीखे हमले करने के बावजूद डेमोक्रेटिक भावना को बनाए रखा गया। दोनों अमेरिकी नेताओं का एक वीडियो शेयर करते हुए थरूर ने पर लिखा- चुनाव में सभी पार्टियां अपनी-अपनी विचारधार के साथ जोश से लड़ें, बिना किसी रोक-टोक के। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हो जाए तो देश के हित के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। मैं भारत में भी ऐसा ही देखना चाहता हूं। भाजपा थरूर के इस बयान की तारीफ कर रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि थरूर ने पोस्ट के जरिए अपनी पार्टी के नेताओं को याद दिलाया है कि वे गांधी परिवार के बजाय देश को पहले रखें। 8 नवंबर को लाल कृष्ण आडवाणी का 98वां जन्मदिन था। थरूर ने पर आडवाणी के साथ वाली अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थी। उन्होंने लिखा- लालकृष्ण आडवाणी जी को उनके 98वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, उनकी विनम्रता और शालीनता और आधुनिक भारत की दिशा तय करने में उनकी भूमिका अमिट है।

महाराष्ट्र : कार ने बाइकों को कुचला

■ 4 की मौत और 3 घायल, ड्राइवर को हार्टअटैक आने से हादसा हुआ

एजेंसी

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में शुक्रवार शाम 6.42 बजे कार चला रहे शख्स को हार्टअटैक आ गया। इसके बाद अनकंट्रोल कार सामने से आ रहे वाहनों से जा टकराई और पलट गई। शहर के फ्लाईओवर पर इस हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है, 3 लोग घायल हैं। पूरी घटना फ्लाईओवर के पास मौजूद इमारत पर लगे CCTV में रिकॉर्ड हुई है। इसमें नजर आ रहा है कि फ्लाईओवर पर बहुत क्राउड है। दोनों और से वाहनों का आवाजाही लगी है। तभी 6 बजकर 42 मिनट

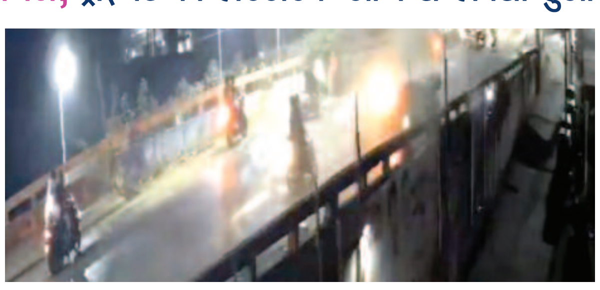

पर तेज रफ्तार कार सामने से आ रहे दो टू-व्हीलर समेत 4 से 5 बाइकों से टकराती है और पलट जाती है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कार जब बाइकों से टकराती है तब टक्कर के कारण बाइक सवार एक व्यक्ति हवा में कई फीट उछलता है और फ्लाईओवर से दूसरी तरफ नीचे जाकर गिरता है। सड़क से भी लोग गुजर रहे होते हैं, लेकिन गनीमत रही कि सड़क पर खड़े लोगों को चोट नहीं आई। हादसे के बाद फ्लाईओवर और सड़क दोनों पर लोगों की भीड़ जमा हो जाती है। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया जाता है।

दिल्ली- आईएसआई कनेक्शन वाला हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शनिवार को कक कनेक्शन वाले एक बड़े इंटरनेशनल हथियार तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस ने बताया कि इस गिरोह से जुड़े चार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हाईटेक हथियार मंगवाकर लॉरेंस, गोगी जैसे गैंगस्टरों को सप्लाई करते थे। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, उन्हें इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियार सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी एरिया में ट्रैप बिछाकर आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से तुर्की

और चीन में बने 10 हाई-टेक पिस्टल और 92 जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस का कहना है कि बरामद किए गए हथियार बहुत आधुनिक हैं और इनके पीछे बड़ा नेटवर्क काम कर रहा था। इससे लग रहा है कि यह तस्करी का संगठित और हाई-फंडेड मॉड्यूल था। पुलिस के मुताबिक यह रैकेट पाकिस्तान से ऑपरेट हो रहा था। हथियार पहले तुर्किये और चीन से पाकिस्तान पहुंचाए जाते, फिर वहां से ड्रोन के जरिए पंजाब में गिराए जाते थे।

धनखड़ बोले : भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे

भोपाल में कहा : जो जागकर भी सोया, उसे जगा नहीं सकते, इस्तीफे का सवाल टाला

एजेंसी

भोपाल। पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भोपाल के रवींद्र भवन में कहा कि भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे। जो समझना नहीं चाहते, हर हाल में बात को धूमिल करेंगे। जो जागकर भी सोया हो, उसे जगा नहीं सकते। वे यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य की पुस्तक हम और यह विश्व के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यह उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद उनका पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन था। कार्यक्रम के अंत में जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा क्यों दिया, तो उन्होंने हाथ जोड़ लिए, गाड़ी में बैठे और बिना कुछ बोले चले गए। धनखड़ ने कहा कि मैंने विचार-विमर्श के बाद तय किया कि अब अंग्रेजी में संबोधन करूंगा, क्योंकि जो लोग समझना ही नहीं चाहते, वे हर हाल में बात को गलत नैरेटिव में ढाल देंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के व्यापक कॉन्सेप्ट को सीमित कर दिया गया है। व्यक्ति अकेले नहीं लड़ सकता, लेकिन संस्था लड़ सकती है। धनखड़ ने कहा- बहुत पुरानी बात है और बड़ी मुश्किल है... जो सोया हुआ है, उसे जगा सकते हैं, पर जो जागकर भी सोया हुआ है, उसे नहीं

जगा सकते। बल प्रयोग भले कर लो। संबोधन के दौरान उन्हें सहयोगी ने फ्लाइट का टाइम याद दिलाया तो धनखड़ बोले- मैं फ्लाइट पकड़ने की चिंता में अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ सकता। धनखड़ ने कहा कुछ लोगों ने बड़ा हाहाकार कर दिया है। खुद को चुनौतियों के बीच मजबूत रखो। देशभक्ति बहुत जरूरी है। देश के प्रति अपने भाव समझो और वो करो जो देशहित में हो। देश के प्रति आपके कर्तव्य हैं, उन्हें पूरा करो। यह भी देशभक्ति है। बिना किसी बात को समझे, किसी दौड़ में शामिल मत हो। बात को समझो, देखो। अपनी जड़ों को मत छोड़ो, अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहो। अपने दिमाग के टॉनिक के लिए हमेशा अध्ययन करो। समझो, अच्छी चीज समझो। समाज की सुदृढता के लिए प्रयासरत रहो। आज हमारा भारत बदल रहा। अतीत के गौरव को याद दिलाता है। कोई भी सेक्टर हो, हम आगे बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में मनमोहन वैद्य ने अपने संबोधन की शुरूआत में जगदीप धनखड़ को अपना अभिभावक कहा। वैद्य ने कहा एक घटना ने मेरे अंदर के लेखक को जाग्रत किया। वैद्य ने कहा- बेवजह विरोध करने से संघ का फायदा होता है। संघ के तृतीय वर्ग के प्रशिक्षण वर्ग में प्रणव मुखर्जी को बुलाया गया था। वह संघ जॉइन नहीं करने वाले थे। उन्हें सिर्फ संबोधन देना था, लेकिन उनका बहुत विरोध हुआ। बेवजह विरोध देखकर मैंने लेखन की शुरूआत की। कार्यक्रम में वृंदावन के श्री आनंदम धाम आश्रम के पीठाधीश्वर ऋतेश्वर महाराज और वरिष्ठ पत्रकार विष्णु त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि थे। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह धनखड़ का पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन था। एयरपोर्ट पर धनखड़ की अगवानी के लिए कोई भाजपा नेता नहीं पहुंचा। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने टिप्पणी की कि भाजपा के लिए वही अहम होता है, जो उनके काम आए। "यूज एंड थ्रो यही नीति है भाजपा की।"

बर्फ से ढंका बद्रीनाथ धाम, उत्तराखंड में जमने लगी झील

राजस्थान में सर्दी से थोड़ी राहत, मध्य प्रदेश के 7 जिलों में शीतलहर

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में गुरुवार को नवंबर की पहली बर्फबारी हुई थी। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर बर्फ की सफेद चादर से ढंक गया। यहां का तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। चमोली जिले की ही शेषनेत्र झील भी जम गई है। वहीं 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित पिथौरागढ़ का आदि कैलाश इलाके में भी बर्फबारी हुई है। इससे इलाके की सभी झीलें जम गई हैं। इलाके की सुंदरता को देखने पर्यटक भी पहुंच रहे हैं। इधर, राजस्थान में सप्ताह भर बाद सर्दी से राहत मिली है, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान भी 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया। अगले 2 सप्ताह तक तापमान में गिरावट नहीं होगी। हालांकि, उत्तरी-पश्चिमी हवा से धुंध (स्मॉग) छानी शुरू हो गई है। इससे दिन में धूप अन्य दिनों के मुकाबले कमजोर रही है। मध्य प्रदेश में बीते दो दिन में सर्दी से 2 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर समेत 7 जिलों में शीतलहर चली। पचमढ़ी में पहली बार पारा 5.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच

गया। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई। एक स्टडी में कहा गया है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जिसके चलते देश में हीट वेव ज्यादा रहती है और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। स्टडी में पता चला है कि 1950 के दशक के बाद से साल के सबसे गर्म दिन में पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में तापमान में 1.5-2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी भी दर्ज की गई। यह रिपोर्ट भारत, नार्वे और नेपाल के क्लाइमेट एक्सपर्ट की टीम ने मिलकर तैयार की है।राजस्थान में तेज सर्दी के बीच उत्तरी-पश्चिमी हवा से धुंध (स्मॉग) छानी शुरू हो गई है। इससे दिन में धूप अन्य दिनों के मुकाबले कमजोर रही। रात का न्यूनतम तापमान भी 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया। पिछले 24 घंटे के दौरान हिल स्टेशन माउंट आबू को छोड़कर सबसे ठंडा शहर सीकर के पास फतेहपुर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआमध्य प्रदेश में पिछले 15 दिन से कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

व्यापार मेले में चोर ले उड़े एक लाख रुपए की साड़ी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के प्रगति मैदान में इस समय 44वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) धूमधाम से चल रहा है। हर साल की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में लोग देशभर से यहां पहुंच रहे हैं। भारत मंडपम में आयोजित यह ट्रेड फेयर अपनी रौनक, भीड़ और सांस्कृतिक झलकियों के लिए मशहूर है, लेकिन भीड़ बढ़ने के साथ ही चोरी की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 14 से 27 नवंबर तक प्रगति मैदान में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' थीम के साथ चल रहा है। इस मेले में देश-दुनिया के कारोबारी अपने प्रोडक्ट्स पेश करते हैं, जो विजिटर्स के लिए नए इनोवेशन और क्राफ्ट देखने और खरीदने का बड़ा मौका है। मेले में दिन-ब-दिन भीड़ बढ़ने के बाद चोर सक्रिय हो गए हैं। भीड़भाड़ वाले हॉल और पवेलियन पर बदमाश वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ताजा घटना में ट्रेड फेयर के एक हॉल से करीब एक लाख रुपए कीमत की साड़ी चोरी हो गई। यह साड़ी प्रदर्शनी और बिक्री के लिए रखी गई थी, लेकिन चोर कब और कैसे ले उड़े, इसका किसी को पता ही नहीं चला। गुरुवार को पुलिस को इस चोरी की जानकारी मिली, हालांकि अभी तक आयोजकों या दुकानदार की तरफ से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। फिर भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शुरुआती जांच शुरू कर दी है। सबसे अहम बात यह है कि यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुकी है। पुलिस ने फुटेज को खंगालना शुरू कर दिया है और वीडियो के आधार पर चोरों के हुलिए की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। ट्रेड फेयर में चोरी की ऐसी घटनाएं नई नहीं हैं। हर साल किसी न किसी दुकान से महंगे सामान गायब होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। भीड़ के समय चोर बड़ी चालाकी से दुकान के कोने में घुसकर या किसी को बातों में उलझाकर सामान उठा ले जाते हैं।

साइबर-स्लेवरी के रूप में मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) टीम ने एक बड़े ट्रांसनेशनल मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गैंग भारतीय युवाओं को विदेश में शानदार नौकरी का झांसा देकर म्यांमार ले जाता था और वहां उन्हें साइबर-फ्रॉड कराने के लिए मजबूर करता था। इस पूरे मामले में दो लोगों, बवाना के रहने वाले दानिश राजा (24) और फरीदाबाद के हर्ष (30) को गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ ठोस सबूत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। असल कहानी तब सामने आई जब म्यांमार मिलिट्री ने 22 अक्टूबर को एक स्कैम सेंटर पर छापा मारकर कई पीड़ितों को बचाया। कुछ दिन ह्यूमैनिटेरियन कैंप में रहने के बाद भारतीय एम्बेसी की मदद से 19 नवंबर 2025 को उन्हें सुरक्षित भारत वापस भेजा गया। यहां उनसे गहनता से पूछताछ की गई ताकि पता लगाया जा सके कि किस तरह उन्हें फंसाया गया था। इसी दौरान जेजे कॉलोनी, बवाना के रहने वाले इम्तियाज बाबू ने शिकायत दर्ज कराई कि उसे डेटा-एंट्री ऑपरेटर की नौकरी का लालच दिया गया था। इम्तियाज ने बताया कि उसे पहले कोलकाता ले जाया गया, फिर वहां से बैंकॉक और उसके बाद म्यांमार के म्यावाडी शहर पहुंचा दिया गया। वहां केके पार्क नाम के एक स्कैम कॉम्प्लेक्स में उसे बंधक बनाया गया, मारा-पीटा गया और अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाकर साइबर-फ्रॉड करने के लिए मजबूर किया गया। पूरे परिसर में हथियारबंद गार्ड थे और जरा-सा विरोध करने पर हिंसा की धमकी दी जाती थी। इस मामले में स्पेशल सेल ने मानव तस्करी, गैर-कानूनी सीमा पार करवाना और इमिग्रेशन एक्ट का उल्लंघन जैसी विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जैसे ही डिपोर्ट किए गए लोगों की पूछताछ से अहम सुराग मिले, 20 नवंबर को एक विशेष टीम बनाई गई। इस टीम में इंस्पेक्टर नीरज चौधरी और कई एसआई तथा कॉन्स्टेबल शामिल थे। पूरी कार्रवाई एसीपी विवेकानंद झा और डीसीपी विनीत कुमार की निगरानी में की गई। इसी टीम ने पहले दानिश राजा को बवाना से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह म्यांमार के स्कैम नेटवर्क से जुड़ा हुआ था और मार्च 2025 में अपने डिपोर्ट होने के बावजूद भारत में युवाओं को फंसाने का काम जारी रखे हुए था। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि यह पूरा सिंडिकेट बेहद संगठित तरीके से काम करता है। पहले युवाओं को विदेश में अच्छी नौकरी का लालच दिया जाता था, फिर उन्हें गैर-कानूनी रास्तों से बॉर्डर पार करवाया जाता था। कई बार हथियारबंद एस्कॉर्ट्स के साथ गाड़ियों में ट्रांसफर किया जाता था, ताकि कोई भाग न सके। म्यावाडी पहुंचने के बाद उन्हें बड़े-बड़े स्कैम कंपाउंड में मजबूरन साइबर-फ्रॉड करवाया जाता था। गिरफ्तार आरोपियों से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनमें विदेशी हैंडलर्स के साथ चैट और बातचीत के कई सबूत मिले हैं। अभी इन उपकरणों की डिजिटल फोरेंसिक जांच चल रही है। पुलिस अब पैसे के लेन-देन की कड़ियों का पता लगा रही है और इस पूरे नेटवर्क में शामिल बाकी लोगों की तलाश भी जारी है।

दिल्ली में 15 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या, दो संदिग्धों में एक नाबालिग शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्व दिल्ली के ज्योति नगर में शनिवार तड़के कहासुनी होने के बाद एक नाबालिग सहित दो व्यक्तियों ने 15 वर्षीय एक लड़के की कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कर्दमपुरी इलाके में हुई इस घटना की सूचना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे पता चला कि स्थानीय लोग घायल किशोर को जीटीबी (गुरु तेग बहादुर) अस्पताल ले गए थे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कर्दमपुरी के रहने वाले 15 वर्षीय लड़के का दो व्यक्तियों से झगड़ा हुआ था जिसमें एक नाबालिग भी शामिल था। उन्होंने बताया कि झगड़े के बाद उनमें से एक ने उसे कथित तौर पर चाकू मार दिया। पुलिस ने दावा किया है कि उन्हें अपराध में दोनों संदिग्धों की संलिप्तता दर्शाने वाले महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने इकट्ठा किए हैं और हमले की वजह बनने वाली घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए मामले में जांच जारी है।

वर्चस्व कायम करके गिरोह बनाने के लिए की हत्या, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी जिले के जनकपुरी इलाके में गिरोह बनाकर वर्चस्व स्थापित करने के लिए गुरुवार को एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपित मंगल व उसके साथी जीतू पासवान को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपित मंगल ने नाबालिग रहते हुए हत्या की एक वारदात को अंजाम दिया था। मंगल पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत अन्य आपराधिक मामले भी दर्ज मिले हैं। आरोपितों के कब्जे से खून से सना चाकू, मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल स्कूटी बरामद हुई है। मोबाइल फोन से एक वीडियो भी मिला है जिसमें मंगल ने वर्चस्व व गिरोह बनाने के लिए हत्या की बात कुबूल की है। पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने शनिवार को बताया कि 20 नवंबर को पुलिस को पंखा रोड पर खन्ना अस्पताल के सामने एमसीडी कार्यालय सीतापुरी के पास खून से लथपथ एक व्यक्ति के पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस नेद जांच के दौरान पीड़ित के सीने के दाहिने हिस्से में चाकू के हमले से बने जख्म दिखाई दिए। तत्काल उसे डीडीयू अस्पताल लेकर जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों ने भी मौके का निरीक्षण कर सुराग जुटाए। इसके बाद हत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मृतक की पत्नी ने उसकी पहचान चाणक्य प्लेस पार्ट-2 निवासी हनी चौहान में की। बताया कि वह पेशे से चालक था। आगे की जांच में पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली तो दो स्कूटीसवार संदिग्ध भागते दिखाई दिए। स्कूटी की जांच में यह एक युवती के नाम से पंजीकृत मिली। उस युवती ने स्कूटी पर पीछे बैठे शख्स की पहचान उसके मंगेतर तिलक नगर निवासी जीतू पासवान के रूप में की और पुलिस ने जीतू को गिरफ्तार कर लिया। जीतू की निशानदेही पर तिलक नगर निवासी मुख्य आरोपित मंगल को भी दबोचकर इनके पास से उक्त चाकू इत्यादि बरामद किया।

शहीदी दिवस पर दिल्ली सरकार ने 25 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहीदी दिवस के अवसर पर 25 नवंबर 2025 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब के साहस, करुणा और धार्मिक स्वतंत्रता के संदेश हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शनिवार को पोस्ट करके यह जानकारी दी।

दिल्ली : सर्दियों में प्रदूषण रोकने के लिए सीएम रेखा गुप्ता ने आरडब्ल्यूए को बांटे 10,000 इलेक्ट्रिक हीटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ भाजपा सरकार ने एक नई पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज पीतमपुरा स्थित दिल्ली हाट में विभिन्न रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को 10,000 इलेक्ट्रिक हीटर वितरित किए। यह कदम सर्दी के मौसम में खुला अलाव जलाने से होने वाले धुएं और प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'दिल्ली में हम लकड़ी और कोयला जलाकर गर्मी पाते हैं, जो प्रदूषण को बढ़ावा देता है। ऐसी चीजों को कम करने के लिए हमने सीएसआर के माध्यम से 10,000 हीटर वितरित करने की पहल शुरू की है। हम चाहते हैं कि कोई भी प्रदूषण का कारण न बने। आरडब्ल्यूए को सतर्क रहना चाहिए ताकि कोयला न जले और हम अपने वॉचमैन को इलेक्ट्रिक हीटर दें।' उन्होंने आरडब्ल्यूए से अपील की कि वे सतर्क रहें और लकड़ी जलाने की घटनाओं की रिपोर्ट करें।

यह वितरण पूरे दिल्ली में लागू होगा। मुख्यमंत्री ने बताया, 'हम इसे पूरे दिल्ली में देंगे, क्योंकि बिना लोगों की भागीदारी के हम आगे नहीं बढ़ सकते। सबको इस पहल का समर्थन करना चाहिए।'

सीएम रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'आज दिल्ली हाट, पीतमपुरा में दिल्ली सरकार द्वारा विभिन्न आरडब्ल्यूए को इलेक्ट्रिक हीटर वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सर्दी के मौसम में खुला अलाव जलाने से होने वाले धुएं और प्रदूषण को कम करना है। खुली आग जहां प्रदूषण बढ़ाती है, वहीं इलेक्ट्रिक हीटर एक सुरक्षित, स्वच्छ और व्यावहारिक विकल्प है। यह छोटा-सा कदम भी प्रदूषण नियंत्रण में बड़ी मदद साबित हो सकता है।'

उन्होंने लिखा, 'हमारी सरकार प्रदूषण नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हर मोर्चे पर मिशन मोड में काम कर रही है। कूड़े के पहाड़ लगातार कम हो रहे हैं, स्वच्छता और वृक्षारोपण अभियान निरंतर जारी हैं, सड़कों पर जल छिड़काव और मैकेनिकल स्वीपिंग को और प्रभावी बनाया गया है। साथ ही स्मॉग टावर की स्थापना और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों व औद्योगिक इकाइयों की निगरानी भी लगातार मजबूत की जा रही है।'

उन्होंने बताया, 'दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण हमारा संकल्प भी है, हमारी जिम्मेदारी भी और हमारी प्राथमिकता भी। हम सबकी भागीदारी ही प्रदूषण के विरुद्ध इस जंग में सफलता का सबसे प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, कैबिनेट सहयोगी मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक तिलक राम गुप्ता, राजकुमार भाटिया सहित आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।'

पुरानी दिल्ली को पुराने स्वरूप में विकसित करना चाहती है दिल्ली सरकार : रोमेश चंद गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी के समग्र विकास के लिए बनाई जा रही भविष्य की योजनाओं में अब पुरानी दिल्ली को उसके ऐतिहासिक स्वरूप में लौटाने की दिशा में व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिले के महामंत्री रोमेश चंद गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों तथा यमुनापार इलाके के लिए विशेष विकास योजनाएं बनाई गई हैं, उसी प्रकार अब पुरानी दिल्ली के संरक्षण और पुनर्निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

रोमेश चंद गुप्ता ने बताया कि ग्रामीण विकास बोर्ड ने करीब आठ सौ करोड़ रुपये के बजट के साथ गांवों के विकास हेतु योजनाएँ तैयार की हैं। इसी प्रकार यमुनापार क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए यमुनापार विकास बोर्ड की कमान पूर्व मंत्री अरविन्द्र सिंह लवली को सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में विकास कार्यों की गति बाधित हो गई थी, लेकिन 'ट्रिपल इंजन' सरकार केंद्र के सहयोग से दिल्ली के सर्वांगीण विकास की दिशा में तीव्र गति से आगे बढ़ रही है।

पुरानी दिल्ली का ऐतिहासिक स्वरूप लौटाने की व्यापक योजना

पुरानी दिल्ली, विशेषकर शाहजहानाबाद क्षेत्र, के पुनर्विकास की रूपरेखा तैयार की जा रही है। सरकार जल्द ही शाहजहानाबाद पुनर्विकास निगम का पुनर्गठन करने वाली है, ताकि क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा सके। चांदनी चौक सहित ऐतिहासिक बाजारों और गलियों के सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया को तेज करने की भी योजना है, जिससे स्थानीय निवासियों और व्यापारियों को बेहतर सुविधाएँ मिल सकें।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उच्चस्तरीय बैठक में तय हुआ विकास खाका

दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, एसआरडीसी, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय हुआ कि पुरानी दिल्ली का समग्र विकास अत्यावश्यक है। शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने सुझाव दिया कि ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में विशेषज्ञता रखने वाली संस्थाओं की मदद ली जाए, ताकि पुरानी दिल्ली का मूल स्वरूप सुरक्षित रह सके। उन्होंने यह भी कहा कि हैरिटेज भवनों में अनियमित व्यापारिक गतिविधियों पर सख्त रोक लगाई जानी चाहिए।

'नई दिल्ली मस्तिष्क, पुरानी दिल्ली दिल है' —रोमेश चंद गुप्ता

रोमेश चंद गुप्ता ने कहा कि नई दिल्ली राजधानी का मस्तिष्क है, जबकि पुरानी दिल्ली सदियों से इस शहर की आत्मा रही है। मुगल बादशाह शाहजहाँ के समय से ही पुरानी दिल्ली की पहचान विश्वभर में रही है। ऐसे में इसका पुनर्निर्माण न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटन और व्यापार दोनों को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि ट्रिपल इंजन सरकार पुरानी दिल्ली को उसके गौरवपूर्ण स्वरूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और शीघ्र ही इसके परिणाम धरातल पर दिखाई देंगे।

मुख्यमंत्री ने यूनिटी मार्च में लिया हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पीतमपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित यूनिटी मार्च में हिस्सा लिया। इस मौके पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, विधायक तिलक राम गुप्ता मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह आयोजन देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय संकल्पशक्ति को पुनः स्मरण कराने का प्रतीक है। बड़ी संख्या में युवाओं ने जो उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति का परिचय दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि सरदार पटेल का 'राष्ट्र पहले' का सिद्धांत आज की नई पीढ़ी द्वारा गर्व और विश्वास के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता, समरसता और अटूट संकल्प में निहित होती है। उन्होंने कहा कि पीतमपुरा में आयोजित यह यूनिटी मार्च उन्हीं राष्ट्रीय मूल्यों को आगे बढ़ाने का एक अमिट संदेश है। यह नई पीढ़ी में राष्ट्रनिर्माण की चेतना को मजबूत करने की एक प्रभावी पहल है।

समाज कल्याण मंत्री इंद्राज ने वरिष्ठ नागरिकों को 13 लाख के निःशुल्क उपकरण वितरित किए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को बवाना के कुतुबगढ़ में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 160 वरिष्ठ नागरिकों को लगभग 13 लाख रुपये के निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए।

इस मौके पर मंत्री इंद्राज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अंत्योदय संकल्प की दिशा में उच्च गुणवत्ता वाले करीब 13 लाख रूपये के उपकरणों का वितरण हुआ। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों को पिछले आठ महीनों में पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्षों से भी आधिक सहायक उपकरण दिए गए।

मंत्री ने वीरांगना झलकारी बाई कोली को नमन करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार समाज की महान विभूतियों, वीरांगनाओं और शहीदों को उचित सम्मान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पहली बार दिल्ली सरकार की सम्मान सूची में ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के नाम दर्ज किए जा रहे हैं, जिन्हें पिछली किसी भी सरकार ने स्थान नहीं दिया था।

समाज कल्याण मंत्री ने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी वरिष्ठ नागरिक को घर में या पड़ोस में उम्र या शारीरिक परिस्थितियों के कारण सहायक उपकरण की आवश्यकता है तो हमें सूचित करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश हैं कि वरिष्ठ नागरिकों को दिल्ली सरकार की सभी संबंधित योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि सरकार वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए समर्पित है। लगातार कैंप लगाकर उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण दिए जा रहे हैं। सेवा पखवाड़े में आठ लाख के उपकरण वितरण किये और सावित्री बाई फुले ओल्ड एज होम, पश्चिम विहार का भी उपहार दिया गया।

मत्री इंद्राज ने कहा कि उपकरण को घर-घर तक पहुंचाने को विभाग ने अपनी नैतिक जिम्मेदारी माना है। पात्र वृद्धजनों और दिव्यांगजनों को यह लाभ बिना किसी बाधा के मिलता रहे, इसकी निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। लगातार असेसमेंट कैंप आयोजित किए जाएंगे ताकि कोई भी जरूरतमंद छूट न जाए। कैंप के दौरान वितरित किए गए उपकरणों में व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर कमोड, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर और अन्य किट शामिल रहीं।

ठगी के मामले में आरोपित महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य जिला के दरियागंज थाना पुलिस ने महंगी घड़ियां और अन्य लग्जरी सामान ऑन लाइन बेचने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस संबंध में म्यूल अकाउंट (धोखाधड़ी की रकम लेन-देन करने वाले खाते) चला रही महिला को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान फौजिया (33) के रूप में हुई है। फौजिया के नाम से दरियागंज स्थित निजी बैंक में 51 लाख रुपये ठगी की रकम आई थी। इसके अलावा इसके नाम से मौजूद बाकी खातों में करोड़ों रुपये की रकम के लेनदेन का पता चला है। फिलहाल दिल्ली, राजस्थान, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु की सात शिकायतों का पता चला है। फौजिया और इसका पति शाहबाज अपने साथियों के साथ मिलकर देशभर के लोगों से ठगी कर रहे थे। जयपुर पुलिस ने डेढ़ करोड़ रुपये ठगी के आरोप में शाहबाज और उसके साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस फौजिया से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बाकी शिकायतकर्ताओं का पता किया जा रहा है। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त निधिन वल्सन ने शनिवार को बताया कि एनसीआरपी पोर्टल के जरिए दरियागंज थाना पुलिस को एक निजी बैंक में ठगी की रकम लेन-देन का पता चला। जांच के दौरान पता चला कि जयपुर के एक अन्य निजी बैंक से ठगी के 10 लाख रुपये इस खाते में आए हैं। पड़ताल करने पर यह म्यूल अकाउंड मिला। खाते की पड़ताल हुई तो इसमें दिल्ली से 10 लाख, तेलंगाना से 19 लाख, कर्नाटक से आठ लाख, बेंगलुरु कर्नाटक से एक लाख हुबली से तीन लाख, महाराष्ट्र से पांच लाख और तमिलनाडु से पांच लाख आने का पता चला। टीम को इस संबंध में सात शिकायतें मिली। फौरन दरियागंज थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार व अन्यों की टीम बनाकर पड़ताल शुरू की गई। जांच के दौरान खाता फौजिया नामक महिला के नाम पर मिला। उसके पते की पड़ताल हुई तो वह फर्जी निकला। पुलिस ने सीडीआर की पड़ताल की। उसके आधार पर टीम जांच करती हुई करावल नगर की श्रीराम कालोनी पहुंची। वहां से आरोपित फौजिया को दबोच लिया गया।

यूनिटी मार्च केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता का जीवंत प्रतीक है : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा शनिवार को नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) कन्वेंशन सेंटर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित यूनिटी मार्च में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, सांसद बांसुरी स्वराज सहित बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और आमजन मौजूद थे।

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह यूनिटी मार्च केवल एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और अदम्य संकल्प का जीवंत प्रतीक है। सरदार पटेल की राष्ट्रनिर्माण की अमिट विरासत हमें सिखाती है कि एकजुट भारत ही सशक्त भारत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी मिलकर निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने इसे सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए कहा कि लौह पुरुष के दिखाए मार्ग पर चलते हुए देश को एक सूत्र में पिरोने का संकल्प और मजबूत हुआ है। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे भारत को एकता के सूत्र में पिरोया था। उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करके उनके विजन को प्रधानमंत्री मोदी आगे लेकर जा रहे हैं। उन्होंने भारत को विकसित करने के लिए यूथ लेड डेवलपमेंट का मूलमंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया है। इसका नाम गंगा प्रवाह रखा गया है।

साइबर जालसाजों को कमीशन पर बैंक खाते बेचने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली की हरिनगर पुलिस ने साइबर जालसाजों को कमीशन पर बैंक खाते बेचने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 37 एटीएम कार्ड, नौ मोबाइल फोन, 15 चेकबुक, तीन पासबुक व अन्य सामान बरामद हुए हैं। पुलिस पकड़े गये आरोपित से पूछताछ करके यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इसने किन जालसाजों को ठगी के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराए हैं। पुलिस खातों से संबंधित रिकॉर्ड इत्यादि खंगाल रही है। पुलिस उपायुक्त दराड़े शरद भास्कर ने शनिवार को बताया कि आरोपित के 19-20 नवंबर को हरिनगर क्लॉक टावर के पास आने की गुप्त सूचना मिली। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने जाल बिछाकर उसे पकड़कर बैग जब्त किया। जांच करने पर बैग में उक्त एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन व अन्य कागजात बरामद हुए। इनकी जांच करने पर ये बैंक खाते एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज साइबर ठगी की कई शिकायतों से जुड़े पाए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान उत्तम नगर निवासी गौरव के रूप में हुई।

इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन और गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने बाल संरक्षण पर विशेष कोर्स के लिए मिलाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाल अधिकारों से जुड़े कानूनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने व बाल संरक्षण रूपरेखा को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाते हुए इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन के सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियरल चेंज फॉर चिल्ड्रेन (सी-लैब) ने गलगोटिया यूनिवर्सिटी के साथ हाथ मिलाया है। दोनों के बीच हुए इस समझौते के तहत सी-लैब बाल संरक्षण क्षेत्र से जुड़े लोगों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारियों को जागरूक व प्रशिक्षित करने के लिए एक विशेष सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स की सीरीज शुरू करेगा। सी-लैब बाल सुरक्षा के क्षेत्र में शिक्षा व क्षमता निर्माण के लिए इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन का प्रमुख संस्थान है।

इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की कार्यकारी निदेशक संपूर्णा बेहुरा ने कहा कि यह सहयोग दो महत्वपूर्ण क्षमताओं को एक साथ लाता है जो एक दूसरे के पूरक हैं। इससे अकादमिक शोध और जमीनी वास्तविकताओं व अनुभवों का समन्वय होगा। हमारे मजबूत कानूनी अनुभव और जमीनी स्तर पर मामलों के संचालन की समझ हमें यह स्पष्ट बताती है कि अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाले पेशेवरों को वास्तव में किस तरह के प्रशिक्षण की आवश्यकता है। बच्चों के खिलाफ अपराध जैसे-जैसे अधिक जटिल होते जा रहे हैं, हम पुराने तरीकों से काम नहीं चला सकते। हमें ऐसे प्रशिक्षित विशेषज्ञ चाहिए जो तकनीक, मनोविज्ञान, कानून और फील्ड की वास्तविकताओं को समझते हों। ये पाठ्यक्रम एक ऐसे बाल संरक्षण तंत्र के निर्माण में मदद करेगा जो हर बच्चे की सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।

वहीं इस समझौते के तहत, सी-लैब और गलगोटिया यूनिवर्सिटी संयुक्त रूप से बाल संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार विज्ञान, फॉरेंसिक इंटरव्यू और अपराध जांच से जुड़े पाठ्यक्रम विकसित और संचालित करेंगे। इनमें सी-सीम (बच्चों के यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री) और पॉक्सो मामलों की जांच से जुड़े विशेष कार्यक्रम भी शामिल होंगे।

भारत में जहां हर दिन बच्चों के खिलाफ 480 से अधिक अपराध दर्ज होते हैं (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो, 2023), ऐसे में यह पाठ्यक्रम देश के बाल संरक्षण तंत्र के स्वरूप को पूरी तरह बदल सकता है। इसका उद्देश्य खास तौर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अफसरों को ध्यान में रखते हुए फोरेंसिक जांच के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है। जिसमें उम्र का सत्यापन, पैसे के लेन-देन की छानबीन, ब्लॉकचेन विश्लेषण, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पहलू और ऑनलाइन अपराधों में कानूनी रूप से स्वीकार्य साक्ष्य जुटाने जैसे कौशलों में प्रशिक्षित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

रंजिश में युवक के साथ मारपीट

फरीदाबाद। मामूली कहासुनी को लेकर पुरानी रंजिश के तहत 20 वर्षीय एक युवक को उसके ही गांव के ही चार लोगों ने मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। गांव खंदावली निवासी सोहिन ने सेक्टर 58 थाना पुलिस को बताया कि 20 नवंबर को वह अपने काम से भनकपुर की ओर से गांव आ रहा था तभी रास्ते में गाड़ी और बाइक पर सवार गांव के शाहरुख, ताहिर, हसीन और हबीब ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ मारपीट कर बुरी तरह घायल कर दिया। वह जाते-जाते उसे जान से मारने की धमकी भी दे गए। पुलिस ने घायल सोहन के बयान पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉक्टर से सवा दो लाख ठगे

फरीदाबाद। साइबर अपराधियों ने एक डॉक्टर से क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर करीब सवा दो लाख रुपए की ठगी कर ली । पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर 19 के डॉक्टर अमित गुप्ता ने बताया कि 9 नवंबर को उसके पास एक क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए फोन आया। उन लोगों ने उन्हें अपने जाल में फंसा लिया और उनसे 2,18,237 की ठगी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

वाहन चोरी के चार आरोपी पकड़े

फरीदाबाद। पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में चार आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक स्कूटी और दो ऑटो बरामद किए हैं। आरोपियों में से तीन को जेल भेज दिया गया, जबकि एक से पूछताछ जारी है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने गुप्त सूचना पर सोनू, निवासी मैनपुरी यूपी हाल सेक्टर-93 नोएडा को सेक्टर-3 स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक चोरी की स्कूटी बरामद हुई। इसी तरह अपराध शाखा एवीटीएस भूपानी की टीम ने ऑटो चोरी के मामले में राजू, निवासी गुलावटी बुलंदशहर को गिरफ्तार किया है। उसे तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा थाना सेक्टर-8 की टीम ने संदीप और प्रिंस को पलवल से चोरी के ऑटो के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सोनू, संदीप और प्रिंस को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया। वहीं राजू से पूछताछ जारी है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर 54 हजार रुपए ठगे

बल्लभगढ़। साइबर अपराधियों ने 22 वर्षीय एक युवक से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर करीब 54000 ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर 64 निवासी रोहित ने बताया कि 19 नवंबर को सुबह 8:00 बजे क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने की लिए उसके पास एक फोन आया। उसने अपनी सहमति जता दी। इसके बाद फोन करने वाले ने उसे जानकारी लेकर उसके खाते से 53753 रुपए की धोखाधड़ी कर ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

लिफ्ट देने के बहाने बुजुर्ग की अंगूठी लेकर फरार

फरीदाबाद। स्कूटी और बाइक सवार बदमाशों ने लिफ्ट देने की बहने 90 साल के एक बुजुर्ग के हाथ से सोने की अंगूठी उतार ली और फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना 20 नवंबर दोपहर 12:00 बजे की है। डबुआ कालोनी निवासी धर्मपाल फागना का कहना है कि वह रोजाना की तरह अपने पड़ोस की चाय की दुकान पर जा रहे थे तभी एक स्कूटी सवार मौके पर आया और उसने उनसे मंडी का रास्ता पूछा और उसने उन्हें लिफ्ट देने के बहाने चाय की दुकान पर छोड़ने के लिए अपनी स्कूटी पर बैठा लिया। वह उसे वहां नहीं ले जाकर पड़ोस में ले गए।जहां पर पहले से ही स्कूटी सवार के साथी बाइक लेकर खड़े थे। उन्होंने बुजुर्ग को अपने जाल में फंसा कर लालच देकर उनकी सोने की अंगूठी उतार ली और मौके से फरार हो गए। जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस को दे दी है।

महाकुंभ में कमरे बुकिंग के रकम ऐंठने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। महाकुंभ मेले में कमरे बुक करने के नाम पर एक व्यक्ति से 11 लाख 67 हजार रुपये ठग लिए गए। साइबर थाना एनआईटी ने मामले की जांच करते हुए खाते उपलब्ध कराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए राजीव कॉलोनी सेक्टर-58 में रहने वाले आरोपी विवेक को गिरफ्तार किया है। प्रवक्ता ने बताया कि ग्रीनफील्ड कॉलोनी निवासी व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि वह ऑनलाइन महाकुंभ मेले के लिए कमरे की तलाश कर रहा था।उसे जैन मंदिर और धर्मशाला प्रयागराज के नाम से ऑनलाइन लिंक मिला। दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर ठगों ने पहले 7,250 रुपये एडवांस देने को कहा। इसके बाद जीएसटी जोड़ना भूलने का बहाना बनाकर दोबारा 7,685 रुपये मांगे। इसके बाद ठगों ने पैसे वापस भेजने का झांसा देकर बार-बार भुगतान कराते हुए कुल 11,67,851 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए। शिकायत मिलने पर साइबर थाना एनआईटी में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी विवेक ने अपने छोटे भाई के नाम से बैंक खाता खुलवाकर उसकी जानकारी ठगों को दे दी थी। इस खाते में ठगी की राशि में से 1.50 लाख रुपये आए थे। आरोपी फरीदाबाद की एक कंपनी में हेल्पर के रूप में काम करता है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

जालसाजों ने एक लाख हड़पे

फरीदाबाद। साइबर अपराधियों ने एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से 1,03,998 रुपए हड़प लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। फतेहपुर तगा के निवासी अजहरुद्दीन उमर 36 साल ने बताया कि 3 नवंबर से 6 नवंबर के बीच साइबर अपराधियों ने उसके क्रेडिट कार्ड से 1,03,998 रुपए हड़प लिए।

पंचकूला शहर को आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित मॉडल शहर के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता – मुख्यमंत्री

पंचकूला के समग्र विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने पीएमडीए के अधिकारियों के साथ की बैठक

शहर में स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंचकूला शहर को आधुनिक शहरी सुविधाओं से सुसज्जित एक मॉडल शहर के रूप में विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) द्वारा शहर के ढांचागत विकास के साथ–साथ अन्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को पंचकूला के समग्र विकास, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री वीरवार देर सांय पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने पंचकूला के समग्र विकास, स्वच्छता और बुनियादी ढांचे को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

शहर में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क विकसित किया जाए

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शहर की सभी सड़कों की स्थिति बेहतर होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हैं या मरम्मत की आवश्यकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए। पूरे शहर में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित और सुगम सड़क नेटवर्क विकसित किया जाए।मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पंचकूला में स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने शहर के पार्कों, सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के सौंदर्यीकरण पर जोर देते हुए फुटपाथों की मरम्मत व रखरखाव तथा सड़कों की गुणवत्ता सुधार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि यदि कहीं आवारा पशुओं की समस्या है, तो उसका तत्काल समाधान किया जाए। शहर के चौक-चौराहों को आकर्षक व सुव्यवस्थित बनाने पर भी बल दिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि पंचकूला क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कौशल्या डैम से पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण को नई दिशा देने के लिए चौक-चौराहों, ग्रीन बेल्ट और पार्कों पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके तहत विभिन्न किस्मों के आकर्षक फूलों का रोपण कर सार्वजनिक स्थानों को अधिक मनमोहक बनाया जाए। साथ ही, ग्रीन बेल्ट की सुंदरता बढ़ाने के लिए नियमित रूप से पौधों की देखभाल और पेड़ों की छंटाई की जानी चाहिए, जिससे न केवल शहर का सौंदर्य निखरेगा बल्कि नागरिकों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण भी प्राप्त होगा।

45.14 करोड़ रुपये की लागत से शहर में विकास कार्य प्रगति पर

बैठक के दौरान पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के. मकरंद पांडुरंग ने जानकारी दी कि सेक्टर 32, पंचकूला में वर्ल्ड क्लास शूटिंग रेंज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए 173.48 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है और आगामी प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाएंगी।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पीएमडीए को 58 सड़कें, 11 पार्कों, 3 वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट हेंडओवर किए गए थे। सड़कों की मरम्मत, पार्कों का सौंदर्यीकरण और समुचित ड्रेनेज व्यवस्था से संबंधित 34.94 करोड़ रुपये की लागत से 39 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि 45.14 करोड़ रुपये की लागत के 59 कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं। बैठक में एमडीसी सेक्टर-1 में प्रस्तावित 'अटल पार्क' पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह, पंचकूला के उपायुक्त सतपाल शर्मा, पीएमडीए के अतिरिक्त सीईओ विनय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पवित्र ग्रंथ गीता में निहित है विश्व की हर समस्या का समाधान:नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता में विश्व की हर समस्या का समाधान निहित है। इस पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। इन उपदेशों को आज हर व्यक्ति को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है। इन उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव अहम योगदान है। विदेश मंत्रालय के सहयोग से इस वर्ष 50 देशों में गीता महोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को देर सायं अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान ब्रह्मसरोवर की महाआरती कार्यक्रम शिरकत करने दौरान बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मीडिया कोऑर्डिनेटर तुषार सैनी, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, सतपाल महाराज, सुभाष कलसाना, जयभगवान शर्मा डीडी ने ब्रह्मसरोवर की महाआरती में विधिवत गीता पूजन कर महाआरती की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गीता जीवन जीने का आध्यात्मिक ग्रंथ है और कैसे जीया जाए और गीता में वेदों का ज्ञान है। भगवान ने चार वेद चार ऋषियों के माध्यम से बनाए और फिर वेदों का ज्ञान उपनिषदों में आया और यही ज्ञान गीता में हैं। गीता हमें कर्म करने का संदेश देती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता में कर्म करने का संदेश दिया गया है। गीता भारतीय दर्शन की जीवन पद्धति है। भगवान कृष्ण का जीवन चिन्तन है। गीता में जीवन की हर समस्या का समाधान है। गीता हमें मृत्यु के भय से मुक्ति दिलाती है। जो, अनुकूलता है, वहीं सुख है और जो अनुकूल न आए वह दुख है। गीता भारतीय परंपराओं का अदभुत ग्रंथ है।कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि गीता घर-घर में पढ़ी जानी चाहिए। गीता को जन आंदोलन बनाना होगा, क्योंकि जीवन की सभी समस्याओं का समाधान गीता में है और पवित्र ग्रंथ गीता राष्ट्र का गौरव है। यह ग्रंथ किसी एक धर्म की नहीं बल्कि समस्त मानव जाति को जीने की कला सिखाती है और यहीं संदेश भगवान श्रीकृष्ण ने अपने उपदेश में दिया था। इस मौके पर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, एसडीएम शाश्वत सांगवान, सीईओ केडीबी पंकज सेतिया, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, केडीबी सदस्य विजय नरुला, डा. एमके मोदगिल, कैप्टन अमरजीत सिंह, अशोक रोशा, डा. ऋषिपाल मथाना, मेला प्राधिकरण के सदस्य डा. अवनीत वडैच, सौरभ चौधरी, सैनी समाज सभा के प्रधान गुरनाम सैनी, रविंद्र सांगवान, सुशील राणा, डा. अलकेश मोदगिल, राजेश शांडिल्य, डा. संदीप छाबड़ा, रोशन बेदी, संजय चौधरी, धीरज वालिया, विनोद गर्ग, हरमेश सिंह आदि मौजूद थे।

डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी स्थान सुरक्षित किया

कुरुक्षेत्र। डीएसबी इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा और मेहनत से स्कूल का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए नई ऊंचाइयों को छुआ है। स्कूल के कक्षा 7 के छात्र आर्यन मंडान ने राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए दिया महान बलिदान:नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए महान बलिदान दिया जिसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है ताकि आने वाली पीढियां इस प्रेरणादायक इतिहास से सीख ले सके। गुरुओं की तप-त्याग का संदेश और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को ज्योतिसर में भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। इसके बाद महाभारत अनुभव केंद्र का प्रधानमंत्री द्वारा अवलोकन भी किया जाएगा और इस महाभारत अनुभव केंद्र को देश व विदेश के पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसी परिसर में पंचजन्य का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जाना है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और महाआरती में भाग लेंगे।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को ज्योतिसर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, प्रधान सचिव कला रामचंद्रन।

साइबर ठगी के दो मामलों में तीन गिरफ्तार

पलवल, (एजेंसी)।

जिला साइबर क्राइम थाना पुलिस ने ठगी के दो अलग-अलग मामलों में तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी सिम, फर्जी फेसबुक आईडी और सीआरपीएफ अधिकारी बनकर लोगों से लाखों रुपए की ठगी करते थे। साइबर थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि हथीन के रूपड़ाका गांव के सोहिल खान को हथीन बाईपास से पकड़ा गया है। सोहिल ''श्री बालाजी'' नाम की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर नट, बोल्ट और कील जैसे सामान सस्ते दामों पर बेचने का विज्ञापन देता था।

ऑर्डर मिलने पर वह क्यूआर कोड भेजकर पैसे मंगवा लेता था, लेकिन सामान नहीं भेजता था। पुलिस के अनुसार, सोहिल लोगों के पैसे हड़पकर ठगी करता था।

उसके खिलाफ साइबर क्राइम पोर्टल पर पहले भी एक शिकायत दर्ज है। वहीं दूसरे मामले में पलवल के आमिर सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 8 नवंबर को उन्हें फेसबुक पर एक मैसेज मिला था। मैसेज भेजने वाले ने खुद को सीआरपीएफ चंडीगढ़ से लेह-लद्दाख ट्रांसफर हुए एक रिश्तेदार बताया और घर का सामान सस्ते दामों पर बेचने की पेशकश की। लाखों की ठगी कर तोड़ा संपर्क वहीं ठगों ने फर्जी तस्वीरें भेजकर आमिर सिंह से 1 लाख 63 हजार रुपए ठग लिए और उसके बाद संपर्क तोड़ दिया। साइबर पुलिस टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर राजस्थान के अलवर जिले के कोटा खुर्द गांव निवासी साजिद खान और मुख्तियार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में साजिद और मुख्तियार ने स्वीकार किया कि वे फर्जी फेसबुक आईडी का इस्तेमाल कर खुद को सीआरपीएफ और सेना अधिकारी बताकर लोगों को ठगते थे। नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस साइबर क्राइम थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनके बैंक खातों, फर्जी सिम कार्ड और पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच की जाएगी।

चार बाइक और एक कार चोरी

फरीदाबाद/बल्लभगढ़। जिला फरीदाबाद में विभिन्न थाना क्षेत्र से वाहन चोरों ने चार बाइक और एक गाड़ी चोरी कर ली। पुलिस ने मामले दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। अमर नगर फरीदाबाद के निवासी मोहम्मद शमी ने बताया कि 20 नवंबर की रात वह गांव पन्हेड़ा खुर्द में एक शादी में आया था। उसने अपनी बाइक शादी के मंडप के बाहर खड़ी कर दी। जब वह वापस जाने लगा तो उसने पाया कि उसकी बाइक मौके पर नहीं थी। जिसे चोर चुराकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। गांव डीग तहसील फरीदाबाद के निवासी ओम ने बताया कि 20 नवंबर शाम 4:20 पर उसने अपनी बाइक बल्लभगढ़ तहसील में खड़ी की थी और वह अपने काम करने के लिए अंदर चला गया।जब वह वापस आया तो उसकी बाइक मौके पर नहीं थी । सेक्टर 29 निवासी मोहित चौहान ने बताया कि 20 नवंबर की शाम 6:30 बजे उसने अपनी विटारा ब्रेजा गाड़ी को घर की बाहर खड़ा किया था लेकिन 21 नवंबर की सुबह जब उसने मौके पर देखा कि उसकी गाड़ी मौके पर नहीं थी। उसने अपनी गाड़ी को काफी तलाश किया लेकिन गाड़ी का कुछ नहीं पता लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इसी प्रकार तिगांव निवासी धर्मेंद्र का कहना है कि 20 नवंबर की शाम 5:00 बजे उसकी बाइक को गांव भतौला सेक्टर 82 स्थित गैलेक्सी रियलिटी हब से किसी ने चोरी कर लिया।

टेलिग्राम टास्क के नाम पर सात लाख की ठगी, तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। ऑनलाइन ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने महिला को टेलिग्राम टास्क के नाम पर 7.39 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, सेक्टर–21सी निवासी महिला ने शिकायत दी थी कि 29 अप्रैल को उनके पास व्हाट्सएप पर एक संदेश आया था। इस संदेश में होटल, कैफे और रेस्टोरेंट की रेटिंग करने पर पैसे कमाने का दावा किया गया था। शुरुआत में महिला को तीन टास्क पूरे करने पर 100 रुपये दिए गए, जिससे वह भरोसा कर बैठी। इसके बाद उसे प्रीपेड टास्क करने की बात कही गई, जिसके लिए उसने अलग–अलग चरणों में कुल 7,39,140 रुपये भेज दिए।ठगों ने इस दौरान उससे 10 लाख रुपये का एक और टास्क करने का दबाव बनाया, लेकिन महिला ने मना कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने सभी संपर्क बंद कर दिए और कोई रकम वापस नहीं की। मामला दर्ज होने के बाद साइबर थाना एनआईटी की टीम ने तकनीकी जांच के आधार पर कार्रवाई की और शिवम राठौर, संदीप निवासी शास्त्री नगर दिल्ली और समीर निवासी रेलवे कॉलोनी नई दिल्ली को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि समीर खाताधारक था, जिसके खाते में ठगी का पैसा आया था। समीर ने यह खाता अपने दोस्त शिवम को दिया और शिवम ने इसे आगे संदीप को ऑपरेट करने के लिए दे दिया। शिवम और संदीप मोबाइल रिपेयर का काम करते हैं, जबकि समीर रेडियोलॉजी में डिप्लोमा कर रहा है। आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस ने नागरिकों से सावधान रहने और किसी भी ऑनलाइन ऑफर पर भरोसा न करने की अपील की है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए दिया महान बलिदान: नायब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस समागम व अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में करेंगे शिरकत

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रमों स्थलों का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने मानवता, धर्म और देश की रक्षा के लिए महान बलिदान दिया जिसे प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना आवश्यक है ताकि आने वाली पीढ़ियां इस प्रेरणादायक इतिहास से सीख ले सके।

गुरुओं की तप-त्याग का संदेश और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को ज्योतिसर में बड़े स्तर पर मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिरकत करेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री द्वारा महाभारत अनुभव केंद्र का अवलोकन भी किया जाएगा और इस महाभारत अनुभव केंद्र को देश व विदेश के पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। इसी परिसर में पंचजन्य का उदघाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जायेगा । इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे और महाआरती में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को कुरुक्षेत्र ज़िले के ज्योतिसर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. एम. पांडुरंग, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, पर्यटन विभाग की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, पर्यटन विभाग के निदेशक डा. शालीन, ओएसडी डॉ प्रभलीन सिंह ने कार्यक्रम स्थल और अनुभव केंद्र का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में चार पवित्र नगर कीर्तन यात्राएं निकाली जा रही है, जो हरियाणा के सभी जिलों से गुजरेंगी। इन यात्राओं का समापन 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा, 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी वर्ष पर कुरुक्षेत्र में समागम का आयोजन होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार भी गुरुओं और महापुरुषों की परंपरा, शिक्षा और त्याग को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार ने श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती को बड़े सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया और अब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष को भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुओं के बलिदान और मानवता के लिए किए गए अतुलनीय योगदान को जन-जन तक पहुंचाना सरकार का संकल्प है ताकि आने वाली पीढ़ियां इन पावन प्रेरणाओं से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें।

बिहार में आखिर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री क्यों बने?

संजय गोस्वामी

नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी...

बिहार में सारी राजनीती में शतरंज के खेल में शह और मात में आखिर बीजेपी 2025 में सबसे बड़े दल 89 सीट लाकर भी अपना मुख्य मंत्री क्यों नहीं बना पाई इसकी खास वजह है। एनडीए में केंद्र में आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री चंद्राबाबू नायडू की अहम भूमिका थी। चुनाव के बाद चंद्रबाबू नायडू के बेटे नारे लोकेश पटना,इसलिए पहुंचे की कहीं बिहार में जेडूयू को तोड़कर या जेडीयू को छोड़कर बहुमत का आंकड़ा लेकर बड़ी पार्टी के नाते बीजेपी अपना सीएम का दावा राज्यपाल को न सौंप दें,और बीजेपी अपना मुख्यमंत्री न बना लें, 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद जो सरकार बनाने की परिस्थिति थी । उसमें बीजेपी बहुमत के आंकड़ो के साथ सरकार न बना लें क्योंकि उसके 89 विधायक थे सरकार बनाने हेतु 122 का नम्बर चाहिए था। जिसमें 19 चिराग पासवान के और हम के 5 और उपेंद्र कुशवाहा के 4 विधायक थे यानि कुल 28 की संख्या थी 89 में 28 जोड़ने से 117 विधायक थे सिर्फ 5 विधायक तो चाहिए था जिसमें बसपा का 1 आई आई सी का 1 1निर्दलीय और 3 तो हो गया बाकी तो बहुमत साबित के समय एआईएमआईएम के 5 विधायक उपस्थित ही नहीं होते,तो सरकार तो बीजेपी की बन ही जाती इसलिए एआईएमआईएम के प्रमुख ओबैसी को डर लगने लगा और चुनाव परिणाम के बाद नीतीश कुमार को सीएम के सवाल पर बीजेपी की खामोशी से ये पता चल रहा था कि , बीजेपी नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री बनाने के मूड में नहीं है क्योंकि राज्य पाल भी उनके पार्टी का ही है, और महाराष्ट्र में उनका प्रयास भी सरकार बनाने में सफल रहा था जानकारी के अनुसार इसलिए चंद्रा बाबू नायडू से नीतीश ने सहयोगी दल होने के नाते सपोर्ट माँगा और वो नीतीश कुमार को मुख्य मंत्री बनाने के लिए अड़ गए थे क्योंकि उन्हें भी अपने राज्य में भविष्य में टी डी पी को सत्ता में बनाए रखना है । इसलिए सारी राजनीती गतिविधियों की जानकारी के लिए उनके पुत्र पटना में थे, ताकि यदि बीजेपी कोई चाल चले तो केंद्र में उनके 15 सांसद और 12 सांसद जेडीयू के केंद्र में समर्थन वापस ले लेती,और जानकारों के अनुसार केंद्र में सरकार का गिरना तय था, क्योंकि शिव सेना के शिंदे गुट के भी 6 सांसद भी इधर महाराष्ट्र की सियासत से निकाय चुनाव और पार्टी तोड़ने को लेकर खुश नहीं थे। ऐ सब यदि समर्थन वापस लेते तो केंद्र में सरकार गिर सकता था, क्योंकि जब बहुमत साबित होना रहता है तो बीजेपी के भी 240 सासंद में कितने गैरहाजिर रहते ऐ भी एक प्रश्नचिन्ह था। क्योंकि कुछ तो नाराजगी पार्टी के अंदर है चूँकि अटलजी के समय जब एआईआईडीमके के प्रमुख ने 1998 में अटलजी के सरकार से समर्थन वापस लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाया था, तो

1वोट से सरकार गिर गई थी इसलिए बीजेपी सेंटर में कोई रिश्क नहीं लेना चाहती थी इसलिए नीतीश कुमार बाल बाल बचे और मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हुए इधर जेडीयू ने अपने सहयोगी दल को ऐ समझाने में कामयाब हुए की यदि मैं यानी नीतीश सरकार बिहार में नहीं रहूँगा तो आपकी पार्टी तो छोटी छोटी है और बीजेपी उसे आसानी से तोड़ देगी,यही कारण था कि जो बीजेपी ने नीतीश कुमार को सीएम पद का ऐलान नहीं कर पा रही थी क्योंकि उसे लगा कि 89 सीट लाकर राज्यपाल बड़े दल के रूप में सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी, इसलिए नीतीश ने सबको समझाया आप भले ही पार्टी का नेतृत्व कर रहें हैं लेकिन विधायक तो पाला बदल सकते हैं, इसलिए पहले ही चिराग पासवान, जितन राम मांझी, और उपेंद्र कुशवाहा ने एनडीए की बैठक से पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार का ऐलान कर दि थी,क्योंकि 2020 में वीआईपी तो एनडीए के साथ थी बाद में विधायक तोड़ने के बाद महागठबंधन में चले गए और इस बार के चुनाव में महागठबंधन में उप मुख्यमंत्री के पद का भी मुकेश सहनी ने करवा दिया। अब चुनाव के बाद जिस तरह बिहार में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह मंत्री का पद मिला है, इससे ऐ लगता है कि अभी भी खेल खत्म नहीं हुआ क्योंकि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव इसपर सवाल कर रहें हैं कि नीतीश सरकार से 20 साल बाद गृह मंत्रालय लेकर भाजपा उन्हें कमजोर कर दि है, सम्राट चौधरी पहले आरजेडी में थे बाद में 2023 में अचानक बीजेपी में प्रदेश अध्यक्ष की हैसियत से पार्टी में आएं जबकी प्रशांत किशोर की डिजिटल टीम ने शिल्पी मर्द केस पर सम्राट चौधरी का नाम जोड़ा था और उसको लेकर आर के सिंह ने भी सवाल उठाये थे, बाद में उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया दरअसल सम्राट चौधरी का अहम रोल 2024 में जब आरजेडी से जे डी यू ने समर्थन वापस लेकर विधायक के जोड़ तोड़ और तेजस्वी यादव का विधायक को अपने आवास में कैद कर उनके घर से विधायक को उठाकर कहीं रास्ते से पकड़ कर जिसमें बीजेपी बाद में विधानसभा में बहुमत साबित करने में पहले स्पीकर को हटाया और बाद में बहुमत साबित किया ऐ बिल्कुल वैसा ही था जब 2018 के महाराष्ट्र के चुनाव में बीजेपी और शिव सेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर तकरार हुआ और एक दिन देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार ने मिलकर राजभवन में मुख्य मंत्री और अजीत पवार ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ तो ले ली लेकिन बाद में शिव सेना के विधायक, एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया और बहुमत सिद्ध होने तक सारे विधायक एक होटल से दूसरी होटल में शिफ्ट होते गए हालांकि 2022 में शिव सेना में एक नाथ शिंदे की बगावत के बाद उसकी सरकार गिर गई, आज ऐ स्थिति है कि ना तो शिंदे सरकार में संतुष्ट नजर आ रहें हैं और ना हि उद्धव ठाकरे को उनका निर्णय सही लग रहा है इससे जो क्षेत्रीए पार्टी है । उसमें गलत मैसेज गया जिसदिन बीजेपी को जेडीयू के सहयोग से सरकार बनानी थी। ठीक उस रात सम्राट चौधरी ने रात भर अपने विधायक की घेरा बंदी कर रहें थे अतः उस समय सम्राट चौधरी ने बीजेपी के विधायक को डराया था,और लगता है कि इन सबके कारण गृहमंत्री का इनाम मिला, लेकिन उनके बोल चाल से मालूम होता है ,की छवि बीजेपी के अच्छे नेताओं में नहीं है जैसे दूसरे डिप्टी सी एम विजय कुमार सिन्हा हैं, क्योंकि वो बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में जमीन से जुड़े हैं, दरअसल सम्राट चौधरी, पूर्व मंत्री बिहार सरकार शकुनि चौधरी के पुत्र हैं जो आरजेडी के कट्टर नेता थे। अतः आदमी का स्वभाव कुछ दिनों में नहीं बदलता है उसके लिए परिवार में आप किस तरह पले बढ़े उस पर निर्भर करता है। बिहार में पूर्व उप मुख्य मंत्री सुशील कुमार मोदी जिस तरह बीजेपी में एक अच्छी छवि बनाई और एक नाम श्री नन्द किशोर यादव का भी है,जो पहले बिहार में एनडीए के संयोजक थे बाद में बिहार में मंत्री भी बने बाद में वे स्पीकर बने और 2025 में उनको टिकट ही नहीं मिला डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा को भी गृह मंत्रालय दिया जा सकता था, जिस पर किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हैं, और बोलचाल में भी ठीक हैं अतः बीजेपी को इस बात पर भी ध्यान देने की जरुरत है,कि पार्टी में अच्छे लोगो और किसी ने कोई भी आरोप नहीं लगाएं हो उसे ही अहम मंत्रालय मिले। ताकि उनके साथ जो आईएएस, आईपीएस रैंक के अधिकारी पढ़ लिख कर आते हैं, उन्हें शर्मिंदा न होना पड़े और एक अच्छी छवि भी बने डराने वाला नहीं शांति से बात करने वाला काबिल नेता हो और इससे अच्छे लोग पार्टी से जुड़े.नहीं तो बीजेपी और दूसरी पार्टी में क्या फर्क रह जायेगा जिसे जंगल राज से जोड़ कर देखा जाता है दरअसल ऐ बिहार है एक गरीब राज्य इसलिए यहाँ मलाई नहीं है इसलिए बीजेपी इस तरफ उतना दिमाग नहीं लगाएगी लेकिन पश्चिम बंगाल बिहार से काफी अच्छा राज्य है जो महानागर की श्रेणी में वहाँ अब पुरी कोशिश होगी सरकार बनाने की जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार चुनाव जीतने के बाद दिल्ली के बीजेपी कार्यलय में कहा था कि गंगा वहाँ से बहकार बंगाल को जाती है और पश्चिम बंगाल में जंगल राज खत्म करना है, लेकिन ऐ बात ही तो बताना नहीं चाहिए क्योंकि अब टीएमसी की सरकार ममता बनर्जी अलर्ट हो गई है और आगे की रणनीति पर काम करना भी चालू कर दिया है और लेडीज होने के नाते लेडीज का वोट भी बहुत अधिक मिलता है अतः वहाँ कुर्सी पानी है तो किसी लेडीज नेता को ही चुनाव में उतरना उचित होगा जिसका जनाधार भी हो फिलहाल ऐसा दिख नहीं रहा है।

संपादकीय

'एसआईआर' पर विवाद

लोकतंत्र से बड़ा और महत्वपूर्ण न तो चुनाव आयोग है और न ही मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण है। यदि चुनाव आयोग के इस शुद्धिकरण अभियान पर कुछ राज्य सरकारों की आपत्तियां और सवाल हैं, तो आयोग पूरी संवेदनशीलता के साथ सुने और समन्वयवादी कार्रवाई करे। चुनाव आयोग अपनी संवैधानिकता के खोल में सिमटा, खामोश नहीं बैठा रह सकता। वह संसद और राष्ट्र के प्रति पूरी तरह जवाबदेह है। सरकार बहाने बनाती रही है और बीते संसद सत्र के दौरान 100 से अधिक नोटिसों के बावजूद चुनाव आयोग पर चर्चा कराने से कन्नी काटती रही है। चूंकि लोकतंत्र में औसत मतदाता, यानी देश का नागरिक, ही सर्वोच्च है। वह मतदाता ही संसद और सरकार को चुनता है। सरकार संसद के प्रति जवाबदेह है। सरकार ही चुनाव आयुक्तों का चयन करती है। इन तमाम समीकरणों के मद्देनजर संसद में चुनाव आयोग की भूमिका और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर लंबी चर्चा होनी चाहिए। संसद का शीत सत्र 1 दिसंबर से शुरू हो रहा है। दरअसल यह देश एक भी नागरिक की मौत या आत्महत्या की घटना को बर्दाश्त नहीं कर सकता। चुनाव आयोग यह मुगालता भी न पाले कि राज्यों में फर्जी और घुसपैठियों के वोट से ही सरकारें बनी हुई हैं। यह राजनीति है और चुनाव आयोग को ऐसी राजनीति में संलिप्त नहीं होना चाहिए। वह देश की संवैधानिक संस्था है। देश उसका बहुत सम्मान करता है, भरोसा करता है। लेकिन सिर्फ चुनाव आयोग ही सच्चा और सही है, समूचा विपक्ष गलत और दुष्प्रचारी है। विपक्ष भी लोकतंत्र में निर्वाचित पक्ष है। बेशक एसआईआर एक प्रशासनिक और विसंगतियों को दुरुस्त करने की अनिवार्य प्रक्रिया है, लेकिन वह मौत या आत्महत्या की प्रक्रिया साबित नहीं होनी चाहिए। हमें क्या, पूरे देश को यह स्वीकार्य नहीं होगा कि बंगाल, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान, मप्र आदि राज्यों में 'बूथ लेवल ऑफिसर' (बीएलओ) आत्महत्याएं करें अथवा काम के अत्यधिक दबाव और तनाव के कारण अकाल मौत के शिकार हों और चुनाव आयोग एसआईआर के आंकड़े ही गिनता रहे। देश में जनगणना की प्रक्रिया भी बाधित हुई है, तो एसआईआर के लिए चुनाव आयोग इतनी हड़बड़ी, जल्दबाजी में क्यों है कि एक ही माह में करीब 51 करोड़ मतदाताओं के रिकॉर्ड विशुद्ध करने पर आमादा है? जब 20 साल या अधिक अवधि तक मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण नहीं होता, तो क्या देश में चुनाव फर्जी या गड़बड़ वाली सूचियों के आधार पर किए गए?

चिंतन-मनन

अहिंसा का स्वरूप

सामान्यतः अहिंसा को निषेधार्थक माना जाता है। ह्यन हिंसा -अहिंसाह्ल- हिंसा का अभाव अहिंसा है, यह इसकी एकांगी परिभाषा है। इसको सवार्गीण रूप से परिभाषित करने के लिए इसके विधेयार्थ और निषेधार्थ दोनों को समझना जरूरी है। किसी प्राणी के प्राणों का वियोजन नहीं करना, इस सूत्र का हिंसा के संदर्भ में जितना मूल्य है, उससे भी अधिक मूल्य है किसी भी प्राणी के प्रति अनिष्ट चिंतन के बहिष्कार का।

असत विचार हिंसा है। असत वचन सा है। जितना कुछ झूठ बोला जाता है, वह हिंसा की प्रेरणा से ही बोला जाता है। असत चिंतन और असत वाणी की तरह असत व्यवहार मात्र हिंसा है, चाहे वह किसी के भी प्रति हो। मनुष्य की प्रवृत्ति सत और असत दोनों प्रकार की होती है। जिस प्रवृत्ति के साथ असत शब्द का योग हो जाता है, वह हिंसा-संवलित ही होती है। दूसरों के प्रति द्वेष की भावना, ईर्ष्या, उन्हें गिराने का मनोभाव और उनकी बढ़ती हुई प्रतिष्ठा को रोकने के सारे प्रयत्न हिंसा में अंतर्गर्भित हैं। दूसरों के मन में भय उत्पन्न करना, उनके सामने दुखद परिस्थितियां उभार देने, उनके विकास के मार्ग में बाधा पहुंचाना आदि प्रवृत्तियां भी हिंसा की परिधि में समाविष्ट हैं। इन प्रवृत्तियों का सर्वथा निरोध अहिंसा का आदर्श है। यह अहिंसा का नेगेटिव पक्ष है। अपने पॉजिटिव पक्ष में अहिंसा समता, मैत्री, संयम आदि उदात्त वृत्तियों से अनुबंधित है। यहां अहिंसा का वाच्यार्थ न मारने तक की सीमा में आबद्ध नहीं है। जहां यह प्रतिबद्धता जुड़ जाती है, अहिंसा का व्यापक अर्थ एक छोटे-से संदर्भ में समा जाता है। समता का धरातल असीम है। मैत्री की पौध इसी धरातल पर फली-फूली रह सकती है। इससे आत्मौपम्य की भावना जागृत होती है। आत्मतुला की बुद्धि से प्रेरित व्यक्ति कही अहिंसा को समझ सकता है और उसका पालन कर सकता है। जो व्यक्ति छोटे और बड़े, अनुकूल और प्रतिकूल हर प्राणी के प्रति समत्व बुद्धि का विकास करता है, वह अहिंसक होता है।

आओ प्रकृति के साथी बनें, मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सहकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें, का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नईप्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी। उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ प्रकृति के साथी बनें। आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए नागरिकों की सहभागिता मील का पत्थर साबित होगी।

(संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

खतरे की घंटी हैं अपराध की राह पर बढ़ते किशोर

मनोज कुमार अग्रवाल

हापुड़ (यूपी) में एक किशोर बेटे ने अपने दो दोस्तों की मदद से किसान पिता की गोली मारकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का मामला बता दिया। अब पुलिस जांच में पाया गया है कि पिता का कुसूर इतना था कि इकलौते बेटे की किसी गलती पर पिटाई की थी जिसका अंजाम बेटे ने पिता को खेत पर बुला कर गोली से उड़ा दिया। यह वारदात बता रही है कि समाज में नाबालिग मन मस्तिष्क कितने शातिर ढंग से अपराध कर रहे हैं।

पिछले कुछ माह में राजधानी दिल्ली के मुंडका में नाबालिग की गला रेतकर हत्या। फर्श बाजार में 73 वर्षीय बुजुर्ग की चाकू घोंपकर हत्या। आनंद पर्वत में बदले के लिए युवक की हत्या। जहांगीरपुरी में वर्चस्व कायम करने के लिए युवक की हत्या। इन सभी हत्याओं का जिक्र कर रहे हैं, इन सभी को 14 से 17 साल के बीच के नाबालिग लड़कों ने अंजाम दिया। जिस उम्र में कंधे पर बस्ता और हाथों में कलम होना चाहिए, उसी उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया का रुख कर रहे हैं। इसके पीछे कारण चाहे कुछ भी हो, लेकिन पुलिस के लिए यह नाबालिग मुसीबत बन गए हैं।

पढ़ने की उम्र में नाबालिग अपराध की दुनिया में कदम बढ़ा रहे हैं। चोरी, लूटपाट ही नहीं, लोगों का खून बहा रहे हैं।सगे संबंधी पडोसी और परिचित के साथ भी वारदात करने में उनको जरा भी हिचक नहीं हो रही। कई नाबालिग अपराधी तो ऐसे हैं, जो बाल सुधार गृह जाकर भी नहीं सुधर रहे। वह वहां से बाहर आने के बाद अपराध के क्षेत्र में फिर से सक्रिय हो रहे हैं।

बीते दिनों दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है

सीलमपुर में 13 वर्षीय करण की हत्या इसका स्पष्ट उदाहरण है। यह समाज के लिए चिंता की बात है। जघन्य अपराधों में संलिप्त नाबालिगों को लेकर कानून लचर होने के कारण यह दुस्साहस बढ़ रहा है। नाबालिग अपराधियों के हाथों जिनके अपने मारे गए, वह कानून में बदलाव के जरिये सख्ती करने की मांग कर रहे हैं।

जाफराबाद में 11 जुलाई 2024 को भाई व दोस्त के साथ कपड़े खरीद रहे 15 वर्षीय मोहम्मद फैज की दुकान से बाहर निकाल बीच बाजार में गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस वारदात को नाबालिग शमिल था। उसे पुलिस ने पकड़ कर बाल सुधार गृह भेजा था। अब वह बाहर है। बालिग हो चुका है और हाल में उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने उसे एक अन्य अपराध के मामले में गिरफ्तार किया है।

आरोपित गैंग्स्टर बन चुका है। मृतक के पिता मोहम्मद गुफरान का कहना है कि यह न्यायोचित नहीं है कि हत्या जैसा गंभीर अपराध करने वाले को इस बात पर रहम दे दिया जाए कि वह नाबालिग है।

न्यू सीलमुर के 17 वर्षीय कुणाल की इसी वर्ष 17 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। इस वारदात में दो नाबालिग शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा था। कुछ ही महीनों में वह बाल सुधार गृह से बाहर आ गए। अब वह खुली हवा में सांस ले रहे हैं।यह स्थिति देख कर कुणाल के स्वजन का दम घुट रहा है। उसकी मां प्रवीन अब न्याय की उम्मीद छोड़ चुकी हैं।

अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है।

किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पतन भी एक वजह है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों द्वारा भी इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया जाता है । ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए। लेकिन इस छूट को सजा से छूट का हथियार बनने देने से भी रोकना चाहिए। कानून में समय परिस्थितियों की मांग के अनुसार परिवर्तन और सुधार करने की जरूरत है अब ऐसे गिरोह भी सक्रिय हैं जो नाबालिगो को कच्चा लालच देकर हायर कर संगीन वारदातों को साजिशन अंजाम दिला रहे हैं। बड़े गैंगस्टर भी इनको वारदातों को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल करते हैं। कुछ साल पहले चार नाबालिग लड़कों ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जज के कमरे में घुसकर गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू पर हमला करवा दिया था। इन लोगों ने छेनू को पांच गोली मारी, लेकिन उसके बाद भी वह जिंदा बच गया। हमले में दिल्ली पुलिस का एक हवलदार इन नाबालिगों की गोली लगने से मारा गया था। बाद में पता चला था कि छेनू के विरोधी नासिर ने इन नाबालिग शूटरों का इंतजाम किया था। इसके बाद से लगातार इन नाबालिगों के इस्तेमाल का तेजी से ट्रेंड बढ़ गया। मौजूदा समय में बदमाश लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि नाबालिगो की परवरिश के लिए समाज में स्वस्थ माहौल की स्थापना की जाए उनके भीतर नैतिकता रोपी जाए ताकि बचपन भविष्य का अपराधी बनने से बचाया जा सके।

इंडियन यूजर्स को झटका, एप्पल ने आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर घटाया

नई दिल्ली।

एप्पल ने इंडियन यूजर्स को तगड़ा झटका दिया है। अगर आप आईफोन 17 सीरीज के किसी आईफोन को खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपको अब पहले वाला बैंक कैशबैक ऑफर नहीं मिलेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक एप्पल अपनी नई आईफोन 17 सीरीज पर बैंक कैशबैक ऑफर में भारी कटौती कर रहा है। अब ऑफर 6 हजार रुपए से घटाकर सिर्फ एक हजार रुपए कर दिया है। इससे इंडियन बायर्स के लिए ये नए मॉडल और भी महंगे हो गए हैं। यह बदलाव ऐसे समय किया गया है जब आईफोन 17 का बेस मॉडल ग्लोबल सप्लाई की भारी कमी के कारण ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स पर या तो काफी हद तक स्टॉक से बाहर हैं या स्टॉक लिमिटेड है। रिवाइज्ड कैशबैक स्ट्र• र 22 नवंबर से लागू हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक जीरो-कॉस्ट ईएमआई प्लान में भी बदलाव किए जाएंगे। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि कैशबैक कम करने का एप्पल का फैसला सीधे तौर पर सप्लाई-चेन की मौजूदा बाधाओं से जुड़ा है, जिसने भारत समेत दुनिया भर में डिमांड और सप्लाई में असंतुलन पैदा कर दिया है। थैंक्सगिविंग सेल में अमेरिका और लूनर न्यू ईयर से पहले चीन जैसे प्रमुख बाजारों में फेस्टिव डिमांड बढ़ने के साथ एप्पल के इन क्षेत्रों में और ज्यादा इन्वेंट्री भेजने की उम्मीद है।

बता दें यही कारण है कि बेस आईफोन 17 खास तौर से 256जीबी और 512जीबी वाले वेरिएंट को ऑफलाइन रिटेल चैनल्स के साथ फ्लिपकार्ट और अमेजन पर भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले के जानकार ने कहा कि सप्लाई-चेन की समस्याओं के कारण ग्लोबल शॉर्टेज के बावजूद दिवाली सीजन के लिए एक्सट्रा सप्लाई थी। अब, उन अन्य बाजारों को प्राथमिकता दी जा रही है जहां त्योहारी मौसम शुरू हो रहा है। दिसंबर तक आपूर्ति की स्थिति स्थिर होने की उम्मीद है। एप्पल ने कैशबैक ऑफर के बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि कंपनी की वेबसाइट पर लिखा है- एप्पल बिना किसी सूचना के किसी भी समय इन नियमों और शर्तों को बदलने, विस्तारित करने या इंस्टेंट कैशबैक ऑफर को खत्म करने का अधिकार रखता है।

टाटा पावर ने भूटान परियोजना में एसपीवी में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

- कंपनी ने ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। टाटा पावर ने कहा कि उसने भूटान के एक विशेष उद्देशीय कोष (एसपीवी) में 1,572 करोड़ रुपये में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के साथ वाणिज्यिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत 1,125 मेगावाट की दोर्जिलुंग जलविद्युत परियोजना स्थापित की जानी है। दोर्जिलुंग भूटान की दूसरी सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी, और यह देश में अब तक सबसे बड़ी सार्वजनिक-निजी साझेदारी (पीपीपी) वाली परियोजना होगी।समझौते के तहत टाटा पावर ने तय ढांचे के अनुसार किस्तों में लगभग 1,572 करोड़ रुपये का इक्विटी निवेश करने का वादा किया है।यह परियोजना सितंबर 2031 में चालू होने वाली है, और इसका 80 प्रतिशत उत्पादन भारत को आपूर्ति किया जाएगा। इससे इलाके की ऊर्जा सुरक्षा और साफ बिजली की उपलब्धता को काफी बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना को विश्व बैंक का समर्थन है।इस रियायती समझौते पर थिम्पू में टाटा पावर के सीईओ और एमडी प्रवीर सिन्हा और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीजीपीसी) के प्रबंध निदेशक दाशो छेवांग रिनजिन ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योंछेन शेरिंग तोबगे की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए।

इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट रही

- सोने में 1,648 रुपए और चांदी में 8,238 रुपए की कमी दर्ज की गई

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 15 नवंबर को 24 कैरेट सोना 1,24,794 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 22 नवंबर तक घटकर 1,23,146 रुपए पर आ गया। इस तरह हफ्तेभर में सोने में 1,648 रुपए की गिरावट हुई। वहीं चांदी में गिरावट और अधिक रही, 15 नवंबर को चांदी 1,59,367 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी, जो घटकर 1,51,129 रुपए रह गई। यानी चांदी में हफ्तेभर में 8,238 रुपए की कमी हुई। गौरतलब है कि अक्टूबर में सोना 1,30,874 रुपए और चांदी 1,78,100 रुपए के स्तर पर पहुंचकर ऐतिहासिक उच्च स्तर पर थी। आईबीजेए के भाव में 3 फीसदी जीएसटी, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होते, इसलिए शहरों में सोने के भाव अलग हो सकते हैं। आरबीआई के सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और कई बैंकों के गोल्ड लोन वैल्यूएशन इन रेट्स के आधार पर तय होते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सोने और चांदी की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय कारकों के कारण उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। सोने की कीमतों में गिरावट के मुख्य कारण हैं» अमेरिकी डॉलर का लगातार मजबूत होना, फेड की दिसंबर रेट-कट की उम्मीदों में कमी, अमेरिका की नॉन-फार्म पेरोल रिपोर्ट में देरी से बाजार में अनिश्चितता, जापान के कैरी-ट्रेड अनवाइंडिंग की चिंता, और अमेरिका की तकनीकी कंपनियों के मजबूत रिजल्ट के चलते निवेशकों का शेयर बाजार की ओर रुख। हालांकि, देश में शादी का पीक सीजन शुरू होने से घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। इससे उम्मीद है कि सोने की कीमतें जल्द ही 1.25 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब लौट सकती हैं।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुख रहा

- सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूती के बाद गिरावट दर्ज की गई

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुख प्रदर्शित किया। कंपनियों की दूसरी तिमाही की मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की लिवाली के चलते सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई, जबकि वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह के अंत में गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत में निवेशकों का उत्साह उच्च रहा। बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 234.42 अंक की बढ़त के साथ 84,797.20 पर खुला और 388.17 अंक उछलकर 84,950.95 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी ने भी 56.10 अंक की बढ़त के साथ 25,966.15 पर खुलकर 103.40 अंक ऊपर होकर 26,013.45 पर बंद किया। विशेषज्ञों का मानना है कि कंपनियों की बेहतर आय प्रदर्शन ने निवेशकों का विश्वास बढ़ाया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी और मुनाफावसूली के दबाव के कारण मंगलवार को सेंसेक्स 292.95 अंक गिरकर 84,658 पर और निफ्टी 83.3 अंक गिरकर 25,930.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 277.93 अंक की गिरावट के साथ 84,673.02 और निफ्टी 103.40 अंक गिरकर 25,910.05 पर बंद हुआ। रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स 513.45 अंक बढ़कर 85,186.47 और निफ्टी 142.60 अंक की बढ़त के साथ 26,052.65 पर बंद हुआ। गुरुवार को भी सेंसेक्स 446.21 अंक बढ़कर 85,632.68 और निफ्टी 139.50 अंक ऊपर होकर 26,192.15 पर बंद हुआ। इस दौरान निवेशकों का रुझान बड़े शेयरों और मजबूत कंपनियों की ओर रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन सेंसेक्स 400.76 अंक गिरकर 85,231.92 और निफ्टी 124 अंक की गिरावट के साथ 25,068.15 पर बंद हुआ। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों के दबाव और मुनाफावसूली के चलते बाजार सप्ताह के अंत में कमजोर हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव देखा। मजबूत आय रिपोर्ट और निवेशकों की खरीदारी ने मध्य सप्ताह तक बाजार को हरे निशान में रखा, जबकि वैश्विक दबाव और मुनाफावसूली के चलते सप्ताह का अंत लाल निशान पर हुआ।

सेबी करने जा रहा है बाजार नियमों की बड़ी समीक्षा

- म्यूचुअल फंड ब्रोकरेज शुल्क में बदलाव पर होगा पुनर्विचार

नई दिल्ली । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ब्रोकरों और म्यूचुअल फंडों को नियंत्रित करने वाले पुराने नियमों में व्यापक बदलाव की तैयारी कर रहा है। 1990 के दशक में बने ये नियम वर्तमान बाजार संरचना के अनुरूप नहीं माने जा रहे, इसलिए सेबी 17 दिसंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में इन्हें अपडेट करने पर निर्णय ले सकता है। इस पहल के तहत सेबी का उद्देश्य बाजार ढांचे को अधिक पारदर्शी, गतिशील और निवेशक-अनुकूल बनाना है। सेबी म्यूचुअल फंडों द्वारा नकदी बाजार में दिए जाने वाले ब्रोकरेज शुल्क की सीमा में प्रस्तावित कटौती पर भी पुनर्विचार कर रहा है। नियामक पहले इस सीमा को 12 आधार अंक से घटाकर 2 आधार अंक करने की योजना बना रहा था। हालांकि, अब उसका मानना है कि इतनी बड़ी कटौती से स्वतंत्र इक्विटी अनुसंधान पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जो बाजार की दक्षता के लिए महत्वपूर्ण है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, शुरुआत में लगा था कि लागत कम होने से निवेशकों को लाभ मिलेगा, लेकिन संभावित साइड इफेक्ट को ध्यान में रखते हुए सेबी अपने रुख पर दोबारा विचार कर रहा है। बढ़ती एफएंडओ (फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस) गतिविधियों के बीच नकदी बाजार को अधिक सर्ं य बनाने पर भी सेबी की नजर है। नियामक ऐसे उपायों पर काम कर रहा है, जिनसे नकदी श्रेणी में शॉर्ट सेलिंग और अन्य ट्रेडिंग गतिविधियों को बढ़ावा मिले, ताकि बाजार में संतुलित भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

सरकार ने चार श्रम संहिताएं लागू कीं

- श्रमिक कल्याण और सुरक्षा में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए संसद द्वारा पारित चारों श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा कर दी है। लगभग पांच वर्ष पहले 29 मौजूदा श्रम कानूनों में सुधार कर इन्हें चार व्यापक श्रम संहिताओं वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य स्थिति संहिता के रूप में एकीकृत किया गया था। सरकार का कहना है कि इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के हितों की रक्षा करना और श्रम व्यवस्था को बदलती कार्य परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक बनाना है। नई श्रम संहिताओं के तहत देश के सभी नियोक्ताओं के लिए प्रत्येक श्रमिक को नियुक्ति पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही गिग और प्लेटफॉर्म कामगारों सहित संपूर्ण श्रमबल को सामाजिक सुरक्षा कवरेज उपलब्ध कराना होगा। न्यूनतम मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के अलावा 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए मुफ्त वार्षिक स्वास्थ्य जांच भी अनिवार्य की गई है। महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देने के साथ कर्मचारियों राज्य बीमा लाभों का दायरा भी देशव्यापी किया गया है। ठेके पर तय अवधि के लिए काम करने वाले कामगार अब स्थायी श्रमिकों के समान सभी लाभों के पात्र होंगे और उन्हें पांच साल की बजाय केवल एक वर्ष बाद ग्रेच्युटी प्राप्त करने का अधिकार होगा।

बजट 2026-27 : वित्त मंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर व ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ की बैठक

- बैठक में उद्योग विशेषज्ञों और सरकारी शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया

नई दिल्ली (। वित्त वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट की तैयारियों को गति देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शु' वार को नई दिल्ली में बुनियादी ढांचा और ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ 11वीं पूर्व-बजट परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य आगामी बजट के लिए इन क्षेत्रों से जुड़े सुझावों और चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा करना था, ताकि निवेश प्रोत्साहन, परियोजनाओं की गति और ऊर्जा सं' मण से जुड़े मुद्दों को नीति निर्धारण में शामिल किया जा सके। बैठक में उद्योग जगत के कई प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इनमें एफकॉन्स के प्रबंध निदेशक एस. परमशिवन, शापूरजी पलोनजी इंफ्रास्ट्र• र कैपिटल के निदेशक मनीष त्रिपाठी, जीएमआर ग्रुप के उप प्रबंध निदेशक के. नारायण राव, जेएम बैक्सी ग्रुप के निदेशक संदीप वाधवा और इंफ्राविजन फाउंडेशन के सीईओ जगन शाह शामिल थे। विशेषज्ञों ने नीति सुधार, परियोजना वित्तपोषण, लॉजिस्टिक्स दक्षता, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण जैसे मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। सरकारी पक्ष से बिजली मंत्रालय, नौवहन मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकारभी मौजूद रहे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि प्राप्त सुझावों का बजट निर्माण में समुचित उपयोग किया जाएगा।

एक्सिस बैंक एनसीडी के ज़रिए 5,000 करोड़ तक जुटाएगा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक ने कहा कि वह कारोबार बढ़ाने के लिए गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। यह बैंक के निदेशक मंडल द्वारा मंजूर 35,000 करोड़ रुपये के धन जुटाने की योजना का हिस्सा है। इसे निजी नियोजन के आधार पर ऋण प्रतिभूति जारी कर जुटाया जाएगा।एक्सिस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक का निजी नियोजन के आधार पर 5,000 करोड़ रुपये तक के पूरी तरह से भुगतान वाले, सीनियर, रेटेड, सूचीबद्ध, अनसिक्योर्ड, करयोग्य, विमोचनयोग्य, दीर्घावधिक गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके कोष जुटाने का प्रस्ताव है।

सरकार डिजिटल कंटेंट पर सख्त नियंत्रण लाने की तैयारी में

- सरकार बदलेगी आईटी नियम, बदनाम करने वाली डिजिटल सामग्री पर लगेगी रोक

नई दिल्ली।

सरकार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम 2021 में संशोधन करने की योजना बना रही है। प्रस्तावित बदलावों के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसी सामग्री प्रसारित नहीं की जाएगी जो अश्लील, मानहानिकारक, जानबूझकर गलत, आधी-सच्चाई वाली या हिंसा बढ़ावा देने वाली हो। मंत्रालय का कहना है कि नया नियम कंटेंट को सभ्य और नैतिक मानकों के अनुरूप बनाएगा। संशोधन विशेषकर भाग-3 के अंतर्गत आने वाले डिजिटल वीडियो इंटरमीडियरी और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लागू होगा। इनमें यूट्यूब, इंस्टाग्राम, नेटफिलक्स, एमेजान, प्राइम वीडियो आदि शामिल हैं। इसके साथ ही समाचार चैनलों और अखबारों के डिजिटल पोर्टल भी इस दायरे में आएंगे।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी डिजिटल सामग्री जाति, धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता या किसी समूह का अपमान नहीं करेगी, लोगों को अपराध के लिए उकसाएगी या हिंसा को बढ़ावा नहीं देगी। इसके अलावा, कंटेंट सामाजिक, सार्वजनिक या नैतिक जीवन की निंदा या बदनामी नहीं कर सकता। प्रस्ताव के अनुसार नियमों का उल्लंघन करने पर वही सजा दी जाएगी जो वर्तमान में अश्लील सामग्री प्रसारित करने पर लागू होती है।

इसके साथ ही डिजिटल कंटेंट के लिए रेटिंग सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है, ताकि सामग्री की प्रकृति के अनुसार वर्गीकरण हो सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि ये बदलाव अभी केवल प्रस्तावित हैं।

इन्हें लागू करने से पहले अंतिम प्र' या और नियमों का निर्धारण किया जाएगा।

सरकार का उद्देश्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री को नियंत्रित करना और डिजिटल कंटेंट को जिम्मेदार बनाना है।

नीरव मोदी की दो मर्सिडीज कारें नीलामी के लिए तैयार, ईडी ने दी अनुमति

- पीएनबी घोटाले में आरोपी की कारें अब आम जनता खरीद सकेगी

मुंबई।

पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के आरोपी और भगोड़े व्यवसायी नीरव मोदी की दो लग्जरी मर्सिडीज कारें अब नीलामी के लिए उपलब्ध होंगी। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इन गाड़ियों की बि'ी की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि कारें लंबे समय से ईडी की कस्टडी में हैं, बिना उपयोग खड़ी हैं और उनकी वैल्यू लगातार घट रही है। साथ ही मेंटेनेंस का खर्च बढ़ रहा है। सरकार अब इन्हें बेचकर नुकसान कम करना चाहती है। नीलामी ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से की जाएगी। इच्छुक खरीदार एमएसटीसी या बैंक ई-ऑक्शन पोर्टल पर बोली लगा सकते हैं। तारीख और प्रक्रिया जल्द ही ईडी की वेबसाइट और अखबारों में घोषित की जाएगी। नीरव मोदी और मेहुल चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। आरोपी जनवरी 2018 में देश छोड़कर भाग गए थे और वर्तमान में लंदन में प्रत्यर्पण के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। इससे पहले ईडी नीरव मोदी की 2,600 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति बेच चुका है, जिसमें मुंबई और पुणे की प्रॉपर्टी, लंदन का अपार्टमेंट, हीरे और महंगी पेंटिंग्स शामिल थीं। अब ये दो मर्सिडीज कारें भी इस सूची में शामिल होंगी।

देश में पेट्रोल-डीजल के रेट में बदलाव, कुछ शहरों में महंगा, कुछ में सस्ता

- दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में तेल की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

देश की पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल के नए रेट जारी कर दिए। शु' वार हो देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतों में बदलाव देखने को मिला है। जहां उत्तर भारत के कुछ शहरों में पेट्रोल और डीजल महंगे हुए हैं, वहीं दक्षिण भारत और पूर्वी राज्यों में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली के पड़ोसी शहर गुरुग्रा* में पेट्रोल 8 पैसे महंगा होकर 95.65 रुपए प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल 7 पैसे बढ़कर 88.10 रुपए प्रति लीटर पर पहुंचा। जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 105.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 61 पैसे महंगा होकर 90.82 रुपए प्रति लीटर हो गया। लखनऊ में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 94.73 रुपए और डीजल 6 पैसे बढ़कर 87.86 रुपए प्रति लीटर हो गया। पटना में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 27 पैसे की बढ़ोतरी के साथ ' मशः 105.58 और 91.82 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रयागराज में पेट्रोल 87 पैसे बढ़कर 95.53 रुपए और डीजल 1 रुपए महंगा होकर 88.79 रुपए प्रति लीटर हो गया। भुवनेश्वर में पेट्रोल और डीजल दोनों 18 पैसे घटकर ' मशः 100.93 और 92.51 रुपए प्रति लीटर बिक रहे हैं। तिरुवनंतपुरम में पेट्रोल 18 पैसे और डीजल 30 पैसे सस्ता होकर 107.30 और 96.18 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया। आगरा में पेट्रोल और डीजल 5-5 पैसे सस्ते हुए। अंबेडकरनगर में पेट्रोल 29 पैसे और डीजल 26 पैसे की गिरावट के साथ ' मशः 95.31 और 88.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहे हैं।

हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा किया

उदयपुर।

विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक प्रोड्यूसर और इंटरनेशनल काउंसिल ऑन माइनिंग एंड मेटल्स (आईसीएमएम) में एशिया की पहली कंपनी हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने फिर वैश्विक मंच पर भारत का नाम ऊँचा कर दिया है। कंपनी ने स्वीडन की गारपेनबर्ग जिंक खदान में आयोजित दुनिया की सबसे गहरी मैराथन में हिस्सा लेकर दो नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा और सीओओ किशोर एस. ने 18 देशों के 57 प्रतिभागियों के साथ समुद्र तल से 1,120 मीटर नीचे, लगभग पूर्ण अंधकार, उच्च आर्द्रता और चुनौतीपूर्ण भूभाग के बीच मैराथन पूरी की।

इस मैराथन ने दो श्रेणियों में गिनीज रिकॉर्ड कायम किए द डीपेस्ट मैराथन (इंडिविजुअल), द डीपेस्ट अंडरग्राउंड मैराथन डिस्टेंस रन (टीम)। इसके साथ ही मिश्रा इन श्रेणियों में स्थान पाने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जो भारतीय कॉर्पोरेट नेतृत्व और भारत के खनन क्षेत्र के लिए गर्व का ऐतिहासिक क्षण है।

ऊपर से 30 डिग्री तापमान, नमी, बजरी वाला इलाका और बहुत कम दृश्यता-इन सभी चुनौतियों के बीच एथलीट्स ने 3.84 किमी लंबी सुरंग के 11 चक्कर पूरे कर मैराथन को पूरा किया। इस आयोजन का उद्देश्य बीकम एक्स फाउंडेशन और वाइड एट हार्ट फाउंडेशन के लिए 1 मिलियन डॉलर से अधिक की राशि जुटाना था।

सीईओ मिश्रा ने कहा कि इस मैराथन में हिस्सा लेना केवल एक एंड्योरेंस चैलेंज नहीं था, बल्कि यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि माइनिंग इंडस्ट्री कैसे सुरक्षित और तकनीकी रूप से आगे बढ़ी है। मुझे गर्व है कि हिन्दुस्तान जिंक इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन का हिस्सा बना। यह साबित करता है कि सुरक्षा, तकनीक और सहयोग के साथ हम सबसे कठिन परिस्थितियों में भी असंभव को संभव बना सकते हैं।

अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़े पंकज त्रिपाठी परफेक्ट फैमिली से करेंगे डेब्यू

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, परफेक्ट फैमिली। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा।

ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज परफेक्ट फैमिली को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

परफेक्ट फैमिली एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, परफेक्ट फैमिली मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे। एक्टर ने आगे कहा, यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

बॉलीवुड की युवा अभिनेत्रियां जिन्होंने कम उम्र में किया डेब्यू

बॉलीवुड में हमेशा से नए चेहरे लॉन्च होते रहे हैं। इनमें से कई एक्ट्रेस रातोंरात प्रसिद्ध हो जाती हैं। कई बार तो ये अभिनेत्रियां बहुत कम उम्र में ही अपनी पहचान बना लेती हैं। ऐसी ही पांच युवा अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे, जिन्होंने कम उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया। इनमें से कुछ ने अभी-अभी शुरुआत की है, जबकि कुछ ने अपनी पहली फिल्मों से ही सबका ध्यान खींच लिया।

अनीत पड्डा

अनीत पड्डा एक उभरती हुई अभिनेत्री हैं, जो पंजाब के अमृतसर में 14 अक्टूबर 2002 को एक साधारण सिख परिवार में पैदा हुईं। वे बहुत कम उम्र से ही मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम करने लगीं। अनीत ने कई टीवी ऐड्स में काम किया है। अनीत ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू 2022 में फिल्म सलाम वेंकी से किया, जब उनकी उम्र मात्र 20 साल थी। इसके बाद 2024 में अनीत अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज बिग गर्ल्स डोंट क्राई में लीड रोल में नजर आईं। 2025 में अनीत को असली ब्रेक मिला फिल्म सैयारा से, जो मोहित सूरी द्वारा निर्देशित है। इसमें उन्होंने आहान पांडे के साथ लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने अनीत को रातोंरात स्टार बनाया दिया।

शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी हैं। शनाया का जन्म 3 नवंबर 2000 को मुंबई में हुआ। 2019 में जब वे 19 साल की थीं, उन्होंने गुंजन सक्सेना – द कारगिल गर्ल फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया। लेकिन एक्टिंग डेब्यू की बात करें तो 2025 में फिल्म आंखों की गुस्ताखियां से हुआ, जब उनकी उम्र 24 साल थी। यह विक्रांत मैसी के साथ एक रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में शनाया की परफॉर्मेंस को सराहा गया।

सई मांजरेकर

सई मांजरेकर बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता-निर्देशक महेश मांजरेकर और अभिनेत्री मेधा मांजरेकर की बेटी हैं। वे 24 दिसंबर 2001 को मुंबई में पैदा हुईं। सई ने बहुत कम उम्र में ही एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। 2012 में, जब वे सिर्फ 11 साल की थीं, उन्होंने मराठी फिल्म काकस्पर्श में एक छोटा रोल किया, जो उनका पहला डेब्यू था। लेकिन बॉलीवुड में उनका असली डेब्यू 2019 में फिल्म दबंग 3 से हुआ, जब उनकी उम्र 18 साल थी। इस फिल्म में उन्होंने सलमान खान के साथ खुशी चौटाला का रोल निभाया। सई अब 23 साल की हैं और हिंदी-तेलुगु दोनों इंडस्ट्री में काम कर रही हैं।

नितांशी गोयल

नितांशी गोयल एक बाल कलाकार से शुरू करके लीड एक्ट्रेस बनीं। वे 12 जून 2007 को उत्तर प्रदेश के नोएडा में पैदा हुईं। उनके पिता नितिन गोयल एक बिजनेसमैन हैं और मां राशि गोयल उनके करियर को सपोर्ट करती हैं। नितांशी ने 2016 में फिल्म मन में विश्वास है से अपना फिल्म डेब्यू किया, जब वे मात्र 9 साल की थीं। इसके अलावा टीवी शोज जैसे थपकी प्यार की, नागार्जुन – एक योद्धा और इनसाइड एज में काम किया। लेकिन बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक उन्हें 2024 में आई फिल्म लापता लेडीज से मिला, जो आमिर खान की प्रोडक्शन है। इस कॉमेडी-ड्रामा में उन्होंने फूल कुमारी का लीड रोल निभाया, जब उनकी उम्र 17 साल थी।

राशा थडानी

राशा थडानी सुपरस्टार रवीना टंडन और फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी की बेटी हैं। वे 16 मार्च 2005 को मुंबई में पैदा हुईं। स्टार किड होने के बावजूद, उन्होंने कम उम्र में ही डेब्यू की प्लानिंग की। 2025 में फिल्म आजाद से बॉलीवुड डेब्यू किया, जब उनकी उम्र 20 साल थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इसमें अमन देवगन (अजय देवगन के भतीजे) के साथ लीड रोल है। फिल्म में दीया पेंटी और अजय देवगन भी हैं।

रणवीर सिंह ने की 'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है।

रणवीर ने सारा को बताया टैलेंटड

धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टेलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछा छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।

यकीन नहीं हो रहा ये आपकी पहली फिल्म है

आगे अपनी को-एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए रणवीर सिंह ने कहा कि आप उन बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं, जिनके साथ मैंने स्क्रीन साझा की है। उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि यह आपकी पहली फिल्म है। एक ऐसे व्यक्ति जिन्हें मैं बहुत प्यार और सम्मान देता हूं, मणिरत्नम सर, आपने उनकी फिल्मों में भी काम किया है। आपने अपनी क्षमता दिखाई है और अब दुनिया आपको बड़े मंच पर देखेगी। मैं वाकई बहुत खुश हूं और मुझे आप पर बहुत गर्व है। थैंक्यू सारा।

5 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

'धुरंधर' की बात करें तो आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में रणवीर सिंह के अलावा अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और सारा अर्जुन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

लोगों को हंसा-हंसाकर रुलाएगी मस्ती 4

मस्ती और क्या कूल हैं हम जैसी फिल्म फ्रेंचाइजी के जरिए भारतीय सिनेमा में अडल्ट कॉमिडी जॉनर को मजबूती देने वाले राइटर-डायरेक्टर मिलाप जवेरी एक लंबे अरसे बाद अब इसी कड़ी में मस्ती 4 लेकर आ रहे हैं। इन दिनों अपनी पिछली फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की सफलता एंजॉय कर रहे मिलाप जवेरी से उनके फिल्म चॉइसेज को लेकर खास बातचीत -

आज रियलिस्टिक और ग्लोबल फिल्मों का दौर है। आपको क्यों लुभाता है यह 90 वाला कमर्शल सिनेमा?

थिएटर में कर्मशल सिनेमा ही आखिर में चलता है। आप इस साल की चार बड़ी फिल्में ले लीजिए, छावा, सैयारा, रेड 2 और एक दीवाने की दीवानियत, ये सभी कमर्शल कहानियां हैं। कोई आर्ट हाउस सिनेमा नहीं है। सभी अपने-अपने ढंग से एंटरटेन करती हैं और ऑडियंस को एंटरटेन करने वाला कमर्शल सिनेमा ही चाहिए। जितना हम उससे दूर भागेंगे, हर साल हमारी फिल्मों की सफलता उतनी कम होती जाएगी। जितना हम ग्लोबल होने के चक्कर में पड़ेंगे, उतना अपनी जड़ों, अपने देसीपन भूलते जाएंगे और गलतियां करते जाएंगे। इसलिए, मेरी कोशिश तो हमेशा यही रहेगी कि मैं कमर्शल और मनोरंजक फिल्में ही बनाऊं, क्योंकि जब हम अपनी मिट्टी से जुड़ी कहानियां नहीं बताते तो ऑडियंस हमसे दूर हो जाती है। एक दीवाने की दीवानियत को जो लोग बोल रहे हैं कि 90 के दौर की कहानी है, वो यह भी देखें कि उसी 90 के दौर की कहानी को दर्शकों ने 100 करोड़ के पार पहुंचा दिया। मुझे उम्मीद है कि जैसे दीवानियत ने लोगों को रुलाया, वैसे मस्ती 4 हंसा-हंसा कर रुलाएगी।

मतलब आपका कहना है कि बॉलिवुड फिल्ममेकर्स ऑडियंस को पहचानने में भूल कर रहे हैं?

बिल्कुल, हम आलोचकों को बहुत गंभीरता से लेते हैं। हम सिर्फ शहरी दर्शकों को खुश करने में एक्स्ट्रा मेहनत करते हैं और भूल जाते हैं कि इंडिया भारत में बसा हुआ है और उस भारत को मनोरंजन चाहिए, ज्ञान नहीं चाहिए। अगर हम दर्शकों को मनोरंजन देते रहेंगे, चाहे लव स्टोरी हो, ऐक्शन हो या कॉमिडी, वे उसे हमेशा सुपरहिट बनाएंगे। मैं हमेशा मास के लिए फिल्म बनाने की कोशिश करता हूं क्योंकि हमारे थिएटर में मास ऑडियंस ही आती है।

मस्ती फेंचाइजी को वापस लाने का ख्याल क्यों आया? जबकि, आपके लीड ऐक्टर की उम्र 40-50 के पास पहुंच चुकी है?

मस्ती एक सदाबहार इमोशन है। आप 20 साल के हो, 40 के या 50 के, मस्ती करने का सोचता हर कोई है। वो करे या न करे, सोचता तो है तो आज भले विवेक ओबरॉय, आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख की उम्र और कमर अलग है, मगर पर्दे पर मस्ती वे अब भी उतनी ही करते हैं। फिर, मस्ती रितेश, विवेक और आफताब के बगैर बन ही नहीं सकती। ये तीनों इसके अमर अकबर एंथनी हैं। इसके स्तंभ हैं और जब भी ये तीनों एक साथ आते हैं तो पब्लिक हंस हंसकर लोटपोट हो जाती है। तभी लोगों ने इस फ्रेंचाइजी को इतना प्यार दिया है, तो जब हमें इसे आगे बढ़ाने लायक कहानी मिली तो हम चौथा पार्ट लेकर आ गए हैं। बाकी, ये तो अच्छा है कि कुछ सालों से ये जॉनर पर्दे पर नहीं आया है तो लोगों को इसे देखने को लेकर ज्यादा उत्सुकता है क्योंकि जब आप लोगों को कुछ चीजों से वंचित रखते हैं तो उसकी एक्साइटमेंट कहीं ज्यादा होती है।

क्रिटिसिजम को कैसे लेते हैं?

वो तो पार्ट एंड पार्सल है इस जॉनर का। इस जॉनर को हमेशा ऐसी ही ट्रोलिंग मिली है, मगर ऑडियंस ने हमेशा प्यार दिया है तो मुझे ट्रोल्स की फिक्र नहीं होती है। उनकी राय उनको मुबारक हो। हम तो उन ऑडियंस के लिए ये बना रहे हैं, जिन्हें ये शरारतें, मस्ती, ये ह्यूमर और डबल मीनिंग जोक्स पसंद आता है। यह फिल्म उन ऑडियंस के लिए बनी है, अगर आपको ये चीजें नहीं पसंद आती हैं तो आप यह फिल्म मत देखिए।

रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम के साथ आपके रिश्ते की मजबूती का क्या राज है?

इन दोनों का ही जन्मदिन 17 दिसंबर को होता है तो इस दिन की कुछ तो खास बात जरूर होगी, क्योंकि दोनों मेरे दिल के बहुत करीब हैं। रितेश ने हमेशा मेरा साथ दिया है। वह मेरे मित्र भी हैं। मेरे सेठ जी भी हैं। जॉन (अब्राहम) को मैं मेरा हल्क बुलाता हूं। जॉन ने मुझे सत्यमेव जयते के साथ एक नया करियर दिया था और वे आज भी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। इन दोनों ने हर अच्छे-बुरे वक्त में मेरा साथ दिया है।

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया।

दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उधेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा। दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जम्बिाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो। भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई। बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फ्रैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फ़ोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप, बंगाल में भी तेज झटके ; नरसिंगडी में रहा केंद्र

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 5.5 तीव्रता का भूकंप आने के बाद पश्चिम बंगाल में भी तेज झटके महसूस किए जाने की खबर है। अमेरिकी एजेंसी- यूएसजीएस ने बताया है कि भूकंप का केंद्र बांग्लादेश के नरसिंगडी के पास रहा। फिलहाल, किसी भी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। इस संबंध में सूचनाएं लगातार अपडेट हो रही हैं। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप के झटके शुक्रवार सुबह 10.08 बजे महसूस किए गए। भूकंप से जुड़ी एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार सुबह बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में भूकंप आया। डेली स्टार की इस खबर के अनुसार, बांग्लादेश ओपन यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति और भूविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर सैयद हुमायूं अख्तर ने बताया कि बांग्लादेश के कुछ हिस्सों में आए भूकंप के झटके बहुत तेज थे। प्रोफेसर अख्तर के मुताबिक हाल के दिनों में, बांग्लादेश ने में इतनी तीव्रता के झटका महसूस नहीं किए गए हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि सीमा पर बसे कोलकाता और आसपास के इलाकों के निवासियों ने भी भूकंप के हल्के झटके महसूस करने की बात कही। लोगों ने बताया कि भूकंप के दौरान पंखे और दीवार पर लटकने वाली चीजें हिलती दिखीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल से भूकंप में किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

अमेरिका के अलास्का में अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा

अलास्का , एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में स्थित उटकियाग्विक शहर में इस साल का आखिरी सूर्यास्त 18 नवंबर को दर्ज किया गया। अब यहां अगले 65 दिन तक सूरज नहीं निकलेगा। यह टाइम पीरीयड पोलर नाइट कहलाती है। यह शहर उत्तरी अमेरिका का सबसे उत्तरी कस्बा है और आर्कटिक सर्कल से करीब 483 किलोमीटर आगे है। यहां करीब 4,600 लोग रहते हैं। सर्दियों में पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध सूरज से दूर झुक जाता है, इसलिए दिसंबर के आसपास यहां कई हफ्तों तक सूरज ऊपर नहीं उठता। थोड़ी रोशनी सिर्फ दोपहर में दक्षिण दिशा में हल्की लालिमा (ट्वाइलाइट) और कभी-कभी आकाश में नॉर्दर्न लाइट्स से मिलती है। अगला सूर्योदय यहां 22 जनवरी 2026 को होगा। यहां तापमान अक्सर माइनस 30-40 डिग्री फॉरेनहाइट तक चला जाता है। गर्मियों में उल्टा होता है। मई के मध्य से अगस्त के शुरू तक यहां सूरज बिल्कुल नहीं डूबता, यानी 24 घंटे दिन रहता है।

मेहुल प्रत्यर्पण मामले की बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट में 9 को सुनवाई

ब्रसेल्स, एजेंसी। भगोड़ा हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को चुनौती देने वाला मामला बेल्जियम की सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट ऑफ कैसैशन में 9 दिसंबर को सुना जाएगा। चोकसी ने बेल्जियम की शीर्ष अदालत में 17 अक्तूबर के एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें भारत की ओर से प्रत्यर्पण की मांग को वैध और लागू करने योग्य माना गया था। कोर्ट ऑफ कैसैशन केवल कानूनी पहलुओं की समीक्षा करती है और नए सबूत या तथ्य पेश नहीं किए जा सकते। एजेंएडवोकेट जनरल हेनरी वांडरलिंडेन ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुनवाई लिखित रूप में होगी। यदि अदालत अपील स्वीकार नहीं करती है तो यह केवल कानूनी कारणों से होगा। बता दें कि 17 अक्तूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील की चार सदस्यीय पीठ ने मुंबई विशेष न्यायालय की ओर से मई 2018 और जून 2021 में जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू होने योग्य करार दिया था। कोर्ट ने कहा था कि चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर उचित न्याय और मानवाधिकारों का उल्लंघन होने का खतरा नहीं है। चोकसी पर पीएनबी घोटाले में 13,000 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आरोप है, जिसमें सीबीआई के अनुसार अकेले चोकसी ने 6,400 करोड़ रुपये का गबन किया। जनवरी 2018 में घोटाले के सामने आने से पहले वह एंटिगुआ और बारबुडा भाग गया था और बाद में बेल्जियम में देखा गया।

आईएईए ने ईरान से मांगी यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था (आईएईए) ने ईरान से हथियार-स्तर के करीब संवर्धित यूरेनियम के भंडार पर सटीक जानकारी मांगी है। आईएईए ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह निरीक्षकों को अपने परमाणु स्थलों तक पूर्ण व त्वरित पहुंच भी प्रदान करे। वियना में आईएईए के महानिदेश राफेल ग्रॉसी ने बुधवार को कहा कि एजेंसी को ईरान के निम्न और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार की तत्काल जांच करने की आवश्यकता है, जिसे निरीक्षक पिछले पांच महीने में नहीं कर पाए हैं।

ब्राजील में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन स्थल पर लगी आग, 21 घायल, बाहर निकाले गए हजारों लोग

बेलेम, एजेंसी। ब्राजील के बीलेम में चल रहे सीओपी30 क्लाइमेट समिट के मुख्य स्थल 'ब्लू जोन' में गुरुवार दोपहर आग लग गई, जिससे हड़कंप मच गया। इस आग की वजह से कम से कम 21 लोग घायल हो गए। वहीं आग लगते ही हजारों प्रतिनिधि, अधिकारी, पत्रकार और कर्मचारी सुरक्षा के लिए बाहर की ओर दौड़ पड़े, वहीं मौके पर मौजूद हजारों लोगों को तेजी से बाहर निकाला गया और इस वार्ता को रोकनी पड़ी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग की संभावना इलेक्ट्रिकल उपकरण, संभवतः माइक्रोवेव से लगी। अब ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या जलवायु सुरक्षा पर ध्यान देने वाले सम्मेलन में भी सुरक्षा नियमों का पालन नहीं होता? स्थानीय समयानुसार आग दोपहर 2 बजे लगी और सुरक्षा फुटेज में देखा गया कि आग ने पवेलियन की दीवार और छत के अंदर लगे फैब्रिक को जलाया। धुंआ उठता देख लोग चिल्लाते हुए बाहर निकले। दूसरी ओर पूरी तरह से तैयार फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर सिर्फ छह मिनट में काबू में कर लिया। बताया जा रहा है कि घायल लोगों में 19 लोग धुएं के कारण घायल हुए, वहीं दो लोग घबराहट के चलते।

यह घटना समिट के शुरू होने के बाद तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले स्थानीय आदिवासी प्रदर्शनकारियों ने स्थल पर प्रदर्शन किया और प्रवेश मार्ग को ब्लॉक किया था। आयोजक ब्राजील और यूएनएफसीसीसी ने कहा कि सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत सुरक्षा उपाय किए और आग को नियंत्रित किया।

यूएन महासचिव ने क्या कहा : वहीं इस हादसे को लेकर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया देख रही है और सभी को महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंचने की अपील की। समिट के आखिरी दिन से 24 घंटे से भी कम समय बचा है और लगभग 200 देशों के प्रतिनिधि अभी भी सहमति बनाने की कोशिश में हैं। ब्राजील ने इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई को तेज करने और पुराने वादों को वास्तविक परिणाम में बदलने के लिए बहुत जरूरी बताया।

फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीम अलर्ट पर : स्थानीय प्रशासन ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त दमकल गाड़ियां भेजी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए हैं और फिलहाल आग के कारणों की जांच की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सचिवालय ने तुरंत अलर्ट जारी करते हुए सभी लोगों को स्थल खाली करने का निर्देश दिया। संदेश में कहा गया ध्यान दें: जोन बी में आग की घटना हुई है। कृपया तुरंत स्थल खाली करें। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। एक यूएन सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक, आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन सुरक्षा जांच के कारण अभी किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि स्थिति का पूरा आकलन किया जा रहा है और सभी 13 घायलों को मौके पर ही धुएं से प्रभावित होने पर इलाज दिया गया और उनकी हालत पर नजर रखी जा रही है। इस सम्मेलन में 190 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। सीओपी30 जलवायु सम्मेलन अमेजन क्षेत्र के बेलेम शहर में 10 नवंबर से 21 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है।

कई किलोमीटर दूर से दिखा धुएं का गुबार : आग लगते ही हजारों लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। घटनास्थल से आए वीडियो और तस्वीरों में लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते दिखे। वहीं, पवेलियन से आग की लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। धुआं कई किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। मौके पर कई एम्बुलेंस और फायरब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और तुरंत कार्रवाई कर सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

छह मिनट में आग पर काबू पाया गया : कार्यक्रम के आयोजक यूएन सीओपी30 प्रेसीडेंसी और यूएनएफसीसीसी ने एक जॉइंट स्टेटमेंट में बताया कि लगभग छह मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। यूनाइटेड नेशन्स फ्रेमवर्क कनवेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) के वार्षिक सीओपी30 क्लाइमेट समिट 10 से 21 नवंबर तक होने वाला है। इसमें 190 से ज्यादा देशों के हजारों लोग भाग लेने पहुंचे हैं। आयोजकों ने अपने बयान में मेहमानों से कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी के लिए अगली सूचना तक इंतजार करने कहा गया है। आग लगने से कई अहम बैठकें टली आग की वजह से कई अहम बैठकें रद्द या टल गईं। अब सम्मेलन का समय शुक्रवार शाम तक खत्म होने की बजाय देर रात या शनिवार तक खिंच सकता है। फिलहाल स्थल को पूरी तरह जांचने के बाद ही प्रतिनिधियों को दोबारा प्रवेश दिया जाएगा।

7 किलोमीटर लंबी सुरंग और अंदर 80 कमरे, हमास के अड्डे पर इजरायली सेना ने बोला धावा

गाजा, एजेंसी। इजरायल की सेना ने गाजा पट्टी में हमास की एक बड़ी सुरंग का पता लगाया है, जहां हाल ही में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन का शव रखा गया था। गोल्डिन 2014 के इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में घात लगाकर हमले में मारे गए थे। इस महीने की शुरुआत में इजरायल को उनके अवशेष मिले थे। एक्स पर एक पोस्ट में ढ्ढष्ठस्न ने उस सुरंग का वीडियो साझा किया जहां गोल्डिन का शव रखा गया था। आईडीएफ ने कहा कि यह सुरंग रफाह के घनी आबादी वाले इलाके के नीचे से गुजरती है। संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के कंपाउंड, मस्जिदों, क्लीनिकों और किंडरगार्टन स्कूलों से होकर जाती है। यह सुरंग हमास कमांडरों की ओर से हथियार रखने, हमले की योजना बनाने और लंबे समय तक ठहरने के लिए इस्तेमाल की जाती थी। आईडीएफ के अनुसार, सुरंग 7 किलोमीटर से अधिक लंबी, 25 मीटर गहरी है और इसमें 80 कमरे हैं। इसे एलीट याहलोम कॉम्बैट इंजीनियरिंग यूनिट और शायेटेट 13 नेवल कमांडो यूनिट ने खोजा। सैन्य बलों को सीनियर हमास कमांडरों के कमांड पोस्ट के रूप में इस्तेमाल होने वाले कमरे मिले, जिनमें मुहम्मद शबाना भी शामिल है, जिसे मई में हमास नेता मोहम्मद सिनवार के साथ मार गिराया गया था। आईडीएफ ने कहा कि उसने मारवान अल-हम्स को गिरफ्तार किया है, जो लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन की मौत की घोषणा करने में शामिल हमास आतंकवादी है। अल-हम्स पर रफाह में व्हाइट-क्राउन्ड सुरंग में गोल्डिन के दफन स्थान की जानकारी होने का भी शक है।

गाजा पट्टी में इजरायल के हवाई हमले जारी : इजरायली सेना के मुताबिक, जुलाई 2025 का ऑपरेशन पिछले 6 महीनों में लेफ्टिनेंट हैदर गोल्डिन को वापस लाने और इजरायल में दफनाने के लिए किए गए दर्जनों गोपनीय ऑपरेशनों का हिस्सा था। इस बीच, गुरुवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इजरायली हवाई हमलों में 5 लोग मारे गए और 18 घायल हो गए। खान यूनिस के पूर्व में बनी सुहैला शहर में एक घर पर हमले में 3 लोग मारे गए, जिनमें एक नवजात शिशु भी शामिल है और 15 घायल हुए। पास के अबासन शहर में एक अन्य हमले में एक व्यक्ति मारा गया और तीन घायल हुए। ये हवाई हमले ऐसे समय हुए जब हमास और इजरायल एक-दूसरे पर लगभग छह सप्ताह पुराने नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगा रहे हैं।

अमेरिका -सऊदी एफ-35 डील के बीच इजरायल ने जताया भरोसा

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने की तैयारी कर रहा है। इस पर इजरायल ने प्रतिक्रिया दी है। इजरायल का कहना है कि उसे भरोसा है कि वाशिंगटन उसे आगे भी आधुनिक अमेरिकी हथियारों तक विशेष पहुंच देता रहेगा। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल अभी मिडिल ईस्ट का अकेला ऐसा देश है जो एडवांस्ड स्टेल्थ एयरक्राफ्ट चला रहा है। अमेरिकी कानून के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी देश को ऐसे हथियार तभी दिए जा सकते हैं जब इससे इजरायल की सैन्य बढ़त कम न हो। प्रवक्ता शोश बेड्रोसियन ने कहा, 'अमेरिका और इजरायल के बीच लंबे समय से यह समझ बनी हुई है कि रक्षा के मामले में इजरायल की गुणवत्ता-आधारित बढ़त बनी रहे। यह कल भी सच था, आज भी सच है और प्रधानमंत्री (बेंजामिन नेतन्याहू) का मानना ??है कि यह कल और भविष्य में भी सच होगा।' यह टिप्पणी इजरायली सरकार की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को व्हाइट हाउस में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ बैठक के दौरान डील की घोषणा की थी। प्रस्तावित सौदे में 48 एफ-35 विमान शामिल हैं। इससे पहले, पिछले अमेरिकी प्रशासन ऐसे सौदों पर झिझकते रहे थे, लेकिन अब यह एक बड़ा बदलाव है। सऊदी अरब के साथ इस डील से ये तस्वीर बदलने वाली है। वहीं इसे लेकर जब ट्रंप से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि इजरायल को इस डील के बारे में पहले से जानकारी है। सऊदी अरब और इजरायल दोनों ही अमेरिका के अच्छे दोस्त हैं। इजराइल और सउदी अरब के बीच अभी औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। वाशिंगटन यात्रा के दौरान सऊदी क्राउन प्रिंस ने कहा कि उनका देश इजरायल से संबंध सामान्य करना चाहता है, लेकिन इसके लिए उन्हें दो-राष्ट्र समाधान की स्पष्ट राह चाहिए, जिसमें फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में मान्यता शामिल हो।

ईरान की तेल तस्करी पर अमेरिकी कार्रवाई, भारत की दो कंपनियां भी नए प्रतिबंधों की सूची में

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान की तेल तस्करी और गुप्त व्यापार नेटवर्क को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों में भारत की एक शिपिंग कंपनी और एक पेट्रोलियम ट्रेडर समेत कई देशों की 17 कंपनियां, व्यक्ति और जहाज शामिल हैं। मामले में अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि ये कदम इसलिए उठाए गए हैं ताकि उस पैसों के प्रवाह को रोका जा सके जिससे ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम, सेना और आतंकवादी समूहों को समर्थन देता है। बता दें कि भारत की पेट्रोलियम ट्रेडर कंपनी टीआर6 पीईटीआरओ पर आरोप है कि उसने अक्तूबर 2024 से जून 2025 के बीच ईरान से आठ मिलियन डॉलर से अधिक का बिटुमेन खरीदा। अमेरिका के अनुसार यह ईरानी तेल की खरीद की श्रेणी में आता है, जो प्रतिबंधों का उल्लंघन है। इसलिए कंपनी को कड़े आर्थिक प्रतिबंधों में डाल दिया गया।

भारतीय शिपिंग कंपनी आरएन शिप प्रबंधन पर भी कार्रवाई : दूसरी तरफ अमेरिकी द्वारा लगाए गए प्रतिबंध की श्रेणी में मुंबई स्थित आरएन शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड भी शामिल है। इस कंपनी पर आरोप है कि उसने ऐसे जहाज चलाए जो ईरानी कच्चा तेल दूसरी कंपनियों के लिए गुप्त रूप से ले जाते थे। कंपनी से जुड़े दो भारतीय नागरिक जैर हुसैन इकबाल हुसैन सैयद और जुल्फिकार हुसैन रिजवी सैयद को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह कंपनी उन कई देशों के नेटवर्क का हिस्सा मानी जा रही है, जिनमें यूएई, पनामा, जर्मनी, ग्रीस और गाम्बिया शामिल हैं, जो ईरान के लिए चोरी-छिपे तेल परिवहन में मदद करते हैं।

ईरान की एयरलाइन पर भी कार्रवाई : इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान की निजी एयरलाइन माहान एयर और उसकी सहायक कंपनी यज्द इंटरनेशनल एयरवेज पर प्रतिबंध बढ़ाए हैं। दावा है कि एयरलाइन ईरान की आईआरजीसी-कोड्स फोर्स के साथ मिलकर सीरिया और लेबनान में हथियार और लड़ाके पहुंचाती है। माहान एयर के कई विमानों को ब्लॉक्ड प्रॉपर्टी घोषित कर दिया गया है।

अमेरिका का दावा और प्रतिबंधों का प्रभाव, समझिए अमेरिका के मुताबिक, ईरान हाल ही में इस्राइल के साथ 12-दिवसीय युद्ध में हार के बाद अपनी सेना को फिर से खड़ा करने के लिए तेल के इस गुप्त कारोबार पर निर्भर है। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ईरान की आय रोकना उसके परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए जरूरी है। अब बात अगर इन प्रतिबंधों से पड़ने वाले प्रभावों की करें तो इन कंपनियों और व्यक्तियों की संपत्ति अमेरिका में फ्रीज कर दी गई है।

ऐसे में अमेरिकी नागरिक और कंपनियां इनके साथ कोई भी व्यापार नहीं कर सकेंगे। साथ ही प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर कड़े जुर्माने या कानूनी कार्रवाई हो सकती है। मामले में अमेरिका का कहना है कि इन कदमों का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि ईरान को अपने व्यवहार में बदलाव लाने के लिए मजबूर करना है।

दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति के बयान पर अमेरिका का सख्त रुख, व्हाइट हाउस बोला- दावा पूरी तरह झूठा

वॉशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन का अमेरिका द्वारा बहिष्कार किए जाने पर व्हाइट हाउस ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने कहा कि अमेरिका आधिकारिक बातचीत का हिस्सा नहीं है और दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति द्वारा लगाए जा रहे दावे पूरी तरह गलत हैं।

लेविट ने कहा अमेरिका दक्षिण अफ्रीका में जी20 की आधिकारिक वार्ताओं में भाग नहीं ले रहा है। आज मैंने देखा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ बयान दे रहे थे, जिसे राष्ट्रपति और उनकी टीम बिल्कुल पसंद नहीं करती। उन्होंने बताया कि दक्षिण अफ्रीका में मौजूद अमेरिकी राजदूत का उद्देश्य केवल अगले जी20 मेजबान देश के रूप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करना है। लेविट ने कहा वे सिर्फ कार्यक्रम के अंत में होने वाले औपचारिक 'सेन्ड-ऑफ' में शामिल हैं, न कि किसी भी आधिकारिक बातचीत में, जैसा कि दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति गलत तरीके से दावा कर रहे हैं। ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की बैठक पर भी प्रतिक्रिया व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने ट्रंप और न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान मदानी की होने वाली मुलाकात पर भी बयान दिया। उन्होंने कहा राष्ट्रपति ने घोषणा की है कि मेयर-इलेक्ट कल व्हाइट हाउस आएंगे। हमारी टीमें बैठक की तैयारियां कर रही हैं। लेविट ने टिप्पणी करते हुए कहा यह बहुत कुछ दर्शाता है कि कल व्हाइट हाउस में एक कम्युनिस्ट आने वाला है क्योंकि डेमोक्रेट पार्टी ने देश के सबसे बड़े शहर के लिए उन्हें चुना है। लेकिन यह भी दिखाता है कि राष्ट्रपति ट्रंप किसी से भी मिलने और बातचीत करने के लिए तैयार हैं, चाहे वे किसी भी राजनीतिक विचारधारा से हों। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अमेरिकी लोगों के हित में काम करना चाहते हैं, चाहे वे रेड स्टेट में रहते हों, ब्लू स्टेट में या ऐसे शहरों में जो अब पहले से ज्यादा वामपंथी होते जा रहे हैं। अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के संबंध गौरतलब है कि अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच तनातनी को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप के कदम से दोनों देशों के बीच पहले से तनावपूर्ण व्यापारिक रिश्ते और खराब हो सकते हैं। ट्रंप पहले ही दक्षिण अफ्रीकी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगा चुके हैं और कुछ गोरे किसानों को राजनीतिक शरण देने की पेशकश कर चुके हैं। ऐसे में अब आशंका जताई जा रही है कि अमेरिका के साथ जुड़े कुछ देश भी ट्रंप के समर्थन में सम्मेलन से हट सकते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन इस सप्ताहांत जोहानसबर्ग में होना है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष नेता शामिल होंगे।

नेपाल : दिशाहीन सरकार होने का आरोप, जेन-जी ने की कार्की को हटाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी आंदोलन की अपेक्षाओं को पूरा न कर पाने का आरोप लगाते हुए 23 समूहों ने पीएम सुशीला कार्की सरकार हटाने की मांग की है। समूहों ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि कार्की सरकार 8-9 सितंबर के विद्रोह से मिले जनादेश के अनुसार काम करने में नाकाम रही है। ज्ञापन के अनुसार, मौजूदा सरकार की ओर से पांच मुख्य मागों में से किसी को भी पूरा न किया जाना अस्वीकार्य है। इन मागों में बड़े भ्रष्टाचार प्रकरणों में संलिप्त लोगों पर कार्रवाई, प्रत्यक्ष निर्वाचित प्रधानमंत्री के लिए संविधान संशोधन, विद्रोह के दौरान हुए नरसंहार के जिम्मेदारों पर कार्रवाई, घायलों का उपचार और शहीद परिवारों को क्षतिपूर्ति व भरण-पोषण शामिल हैं। उसने कहा, विद्रोह की नींव पर बनी सरकार ने विद्रोहियों की न्यूनतम अपेक्षाएं भी पूरा नहीं कीं।

बारा में फिर बढ़ा तनाव, कर्फ्यू, 10 घायल : नेपाल के बारा जिले में बृहस्पतिवार उस समय फिर से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जेड के युवाओं से अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों संग हुई झड़प में 10 घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारतीय सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में हालात काबू करने को फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और उन पर पथराव किया। छह पुलिसकर्मी घायल हो गए। जेन-जेड के चार प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। एक अलग घटना में, जेन जेड ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी को फूंक दिया। नेपाल के मधेश प्रदेश के सभामुख रामचन्द्र मंडल पद से हटाए गए हैं। बुधवार को हुई प्रदेश सभा की बैठक में उनके खिलाफ पद के अनुरूप आचरण न करने संबंधी प्रस्ताव दो तिहाई मतों से पारित हुआ। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) से प्रदेश सभा (प्रोविंशियल असेंबली) के स्पीकर बने मंडल को मुख्यमंत्री की नियुक्ति पर हुए सियासी विवाद के बाद प्रोविंशियल असेंबली के समीकरण बदलने के बाद पद से हटा दिया गया है।

एपस्टीन फाइल्स: 'स्टार रिपोर्ट तो 48 घंटे में ही...,' लेविंस्की ने दस्तावेज जारी करने में देरी पर जताई नाराजगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कार्यकर्ता और लेखिका मोनिका लेविंस्की ने एपस्टीन फाइल्स को जारी करने में लगने वाले समय पर नाराजगी जाहिर की। लेविंस्की ने कहा कि सरकार इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने में काफी देर कर रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें न्याय विभाग को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेज सार्वजनिक करने का आदेश दिया गया है। इस कानून के तहत अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी को तीस दिनों के भीतर ये दस्तावेज जारी करने होंगे। प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में यह विधेयक उस समय पारित हुआ, जब एपस्टीन की बातचीत से जुड़े ईमेल सामने आए। इन ईमेल में 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' नाम का जिक्र किया गया था। इसके बाद यह इंटरनेट 'ट्रंप ब्लोइंग बुब्बा' वायरल होने लगा। लोग समझ बैठ के कि बुब्बा से बिल क्लिंटन का इशारा है, क्योंकि उनका यही उपनाम रहा है। बाद में एपस्टीन के भाई मार्क ने स्पष्ट किया कि बुब्बा किसी निजी व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया गया था, न कि क्लिंटन के लिए। लेकिन तब तक इंटरनेट पर यह विवाद काफी बढ़ चुका था। इस बीच, सोशल मीडिया में लोगों ने नया शब्द 'डोनिका लेविंस्की' गढ़ दिया, ताकि ट्रंप और लेविंस्की की पुरानी कहानी के बीच तुलना की जा सके। दूसरी ओर, ट्रंप ने न्याय विभाग और एफबीआई को निर्देश दिया कि वे एपस्टीन के क्लिंटन और अन्य लोगों से संबंधों की जांच करें और एजेंसियों ने इसें मंजूर भी कर लिया। इस घटनाक्रम के बीच लेविंस्की ने एपस्टीन के दस्तावेजों को सार्वजिक करने में देरी को लेकर ट्रंप प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें लिखा था- न्याय विभाग तीस दिनों के भीतर एपस्टीन फाइल्स जारी करेगी, बॉन्डी का बयान।' उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में उन्होंने पैम बॉन्डी की तस्वीर के बगल में एक संवाद बॉक्स

(टेक्स्ट बबल) लगाया, जिसमें लिखा- 'अजीब है कि जब कांग्रेस ने स्टार रिपोर्ट जारी करने के लिए वोट किया था, वह 48 घंटों के अंदर ही ऑनलाइन आ गई थी... शायद उससे भी जल्दी।' यह तस्वीर पहले लेविंस्की ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर डाली, बाद में इसे एक्स पर भी साझा किया गया। स्टार रिपोर्ट वह सरकारी दस्तावेज था, जिसे स्वतंत्र वकील केन स्टार ने तैयार किया था। इसमें उन्होंने क्लिंटन की जांच की थी और कहा था कि क्लिंटन ने जनवरी 1998 में शपथपत्र में झूठी जानकारी दी थी। उस समय क्लिंटन यौन उत्पीड़न से जुड़े एक मामले में प्रतिवादी के तौर पर पेश हो रहे थे। मोनिका लेविंस्की कौन हैं? लेविंस्की व्हाइट हाउस में इंटर्न रही हैं। 1990 के दशक के अंत में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के साथ अपने संबंधों के कारण वह दुनियाभर में सुर्खियों में आई थीं। उनका और क्लिंटन का यह संबंध 'क्लिंटन-लेविंस्की स्कैंडल' के रूप में प्रसिद्ध हुआ। इसकी वजह क्लिंटन पर झूठ बोलने और न्याय में बाधा डालने के आरोप लगे और उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही भी चली। पहले बिल क्लिंटन ने मोनिका के साथ किसी तरह के संबंधों से इनकार किया था और बयान दिया था- मेरे उस महिला के साथ कोई यौन संबंध नहीं हैं। लेकिन बाद में सूबत सामने आने के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और मोनिका के बीच अनुचित शारीरित संबंध थे। यह स्वीकारोक्ति 1998 में आई थी, जब जांच और गवाही में तथ्यों की वजह से वह दबाव में आ गए थे। तब उन्होंने कहा था, मैंने ऐसा व्यवहार किया था जो गलत था..उन मुलाकातों में अनुचित अंतरंग संपर्क शामिल था। इसके बाद ही उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही हुई थी।

मोनिका ने जांच के दौरान अपनी गवाही में कहा था कि उनका और बिल क्लिंटन का संबंध था। उन्होंने अपनी डायरियों, पत्रों और बातचीत के सबूत भी जांच एजेंसियों को दिए थे, जिसने क्लिंटन को सच स्वीकार करने को मजबूत किया था। आज मोनिका एक टेलीविजन व्यक्तित्व, कार्यकर्ता और लेखिका हैं।

मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक लव जैन द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से छपवाकर 400/12, जैकबपुरा, न्यू रेलवे रोड, अपोजिट वर्मा (ईएनटी) से प्रकाशित किया, संपादक लव जैन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का निपटारा गुड़गांव न्यायालय में होगा।